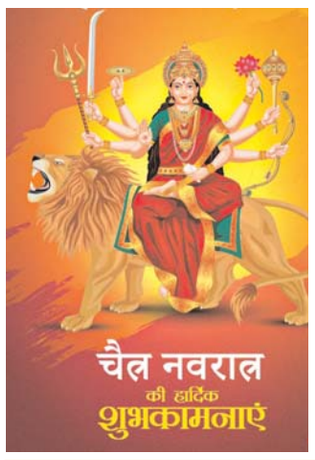

दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-33 सीहोर, गुरूवार 19 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

दिल्ली में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 9 की मौत, कई झुलसे

25 अग्निशमन गाड़ियों ने आग पर पाया काबू, इलाके में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली के पालम इलाके में बुधवार को एक चार मंजिला इमारत में भीषण आग लगने अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही अग्निशमन टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं और लपटों से घिर गई।मीडिया रिपोर्ट में दमकल विभाग के मुताबिक मौके पर आग बुझाने के लिए कुल 25 गाड़ियों को तैनात की गई। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश की और स्थिति को नियंत्रण में किया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन शुरुआती

जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने के बाद इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया और यातायात को नियंत्रित किया। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इमारत की सुरक्षा व्यवस्था और आग से बचाव के इंतजामों की जांच की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल, राहत और बचाव कार्य जारी है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही आग लगने की सूचना मिली, पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। कुछ झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की

एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा, एक अमेरिकी नागरिक भी हिरासत में

इन लोगों पर म्यांमार के आतंकी ग्रुप को ड्रोन वॉरफेयर सिखाने का है आरोप

नई दिल्ली,(ए.)। एनआईए ने छह यूक्रेनी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इन पर अवैध रूप से मिजोरम में प्रवेश करने और फिर पड़ोसी देश म्यांमार जाकर उग्रवादियों को लड़ाई की ट्रेनिंग देने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक एनआईए ने दिल्ली और लखनऊ समेत कई प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट्स से इन छह यूक्रेनी नागरिकों को पकड़ा है। इसके अलावा एक अमेरिकी नागरिक को कोलकाता एयरपोर्ट से हिरासत में लिया है, जिसकी पहचान मैथ्यू वैनडाइक के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसियों का दावा है कि ये सभी विदेशी नागरिक मिजोरम पहुंचे थे, जो कि सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य माना जाता है। यह राज्य म्यांमार के साथ करीब 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस क्षेत्र में विदेशी नागरिकों के प्रवेश के लिए 'रिस्ट्रिक्टेड एरिया परमिट' अनिवार्य है, लेकिन आरोप है कि इन लोगों ने बिना अनुमति के इस क्षेत्र में प्रवेश किया। इतना ही नहीं, एजेंसियों का यह भी कहना है कि इन विदेशी नागरिकों ने म्यांमार के अंदर सक्रिय कुछ जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया और उन्हें कथित तौर पर प्रशिक्षण और उपकरण उपलब्ध कराए।

पिता को भी छुट्टी मिलनी चाहिए, घर में बच्चे के जन्म पर पैटरनिटी लीव पर सुप्रीम कोर्ट ने कानून बनाने की कही बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार से इसे सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने के लिए कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि बच्चे के विकास में केवल मां ही नहीं, बल्कि पिता की भूमिका भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।यह टिप्पणी जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान की गई। मामला उस नियम से जुड़ा था, जिसमें गोद लेने वाली मां को केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने पर ही मातृत्व अवकाश मिलता था।

भारत के एक और टैंकर ने पार की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, UAE से 80,800 मिट्रिक कच्चा तेल लेकर भारत पहुंचा

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे संवेदनशील समुद्री मार्ग से गुजरते हुए भारत का एक और महत्वपूर्ण कच्चा तेल टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात पहुंच गया है। भारतीय ध्वज वाला जहाज 'जग लाडकी' यूएई के फुजैराह पोर्ट से करीब 80,800 मीट्रिक टन मुर्बन क्रूड ऑयल लेकर बुधवार को मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा।सूत्रों के मुताबिक, यह जहाज रविवार को फुजैराह से रवाना हुआ था। लोडिंग के दौरान शनिवार को फुजैराह ऑयल टर्मिनल पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे आग लग गई और कुछ समय के लिए लोडिंग ऑपरेशंस प्रभावित हुए। हालांकि, 'जग लाडकी' और उस पर सवार सभी भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित रहे।हमले के अगले ही दिन जहाज ने सुरक्षित रूप से पोर्ट छोड़ा और बिना किसी नुकसान के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार

कर भारत पहुंच गया। यह युद्ध प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित निकलने वाला चौथा भारतीय ध्वज वाला जहाज है। इससे पहले, दो भारतीय एलपीजी कैरियर 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' भी शनिवार को इसी मार्ग से सुरक्षित गुजरे थे, जिनमें कुल 92,712 टन एलपीजी लदा था। 'शिवालिक' मुंद्रा बंदरगाह पहुंच चुका है, जबकि 'नंदा देवी' कांडला पोर्ट पर पहुंचा। वहीं, शुक्रवार को ओमान के सोहर पोर्ट से टैंजेनिया जा रहा 'जग प्रकाश' नामक एक अन्य भारतीय टैंकर भी गैसोलीन लेकर सुरक्षित निकल चुका है। ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग को अमेरिकी और इजरायली जहाजों के लिए बंद कर दिया है, लेकिन भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग देने का आश्वासन दिया है। इस संबंध में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध केवल अमेरिका और इजरायल से जुड़े जहाजों पर लागू होगा। भारत और ईरान के बीच उच्चस्तरीय बातचीत के बाद भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की गई है।ईरान ने यूएई के पोर्ट क्षेत्रों को लेकर चेतावनी भी जारी की है और वहां से निकासी की अपील की है। इस बीच, शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पर्शियन गल्फ क्षेत्र में इस समय 22 भारतीय ध्वज वाले मर्चेंट जहाज मौजूद हैं।

फ्लाइट में जज को परोसा फंगस लगा खाना, विरोध करने पर एयरलाइन क्रू ने की अभद्रता

लखनऊ(ए.)। दिल्ली से लखनऊ आ रहे एक विमान में न्यायिक

अधिकारी (जज) के साथ अभद्रता और दूषित भोजन परोसने का गंभीर मामला सामने आया है। अमरोहा में तैनात जज प्रशांत कुमार ने एयर इंडिया के क्रू मेंबर्स और कस्टमर सर्विस इंचार्ज के खिलाफ सरोजिनी नगर थाने में एनसीआर (गैर-संज्ञेय रिपोर्ट) दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विमान में उन्हें जो भोजन दिया गया, उसमें स्पष्ट रूप से फंगस लगा हुआ था और विरोध करने पर कर्मचारियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

जन-जन तक पहुंचेगी महान सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत सभी जिला मुख्यालयों में होंगे सूर्य उपासना के कार्यक्रम

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि है उज्जैन ने सदियों से धर्म, ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति की ज्योति प्रज्ज्वलित की है। उज्जैन में विक्रमोत्सव का सांस्कृतिक महापर्व चल रहा है। महान सम्राट विक्रमादित्य ने ऐसी परंपरा स्थापित की जो आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है। विक्रमोत्सव की ख्याति तेजी से बढ़ रही है। उज्जैनी काल गणना का केंद्र रही है। हमारे सभी त्योहार मंगल तिथियों पर आते हैं जो विक्रम संवत पर आधारित हैं। इसी क्रम में सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत 2083 के अवसर पर 19 मार्च 2026 को संपूर्ण प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में सुबह 10 बजे सूर्य उपासना कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्री महाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन के शिखर पर ब्रह्मध्वज स्थापित होगा और जन -जन तक महान सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा को पहुंचाने के लिए सभी जिलों में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य की प्रस्तुति होगी। इस साथ ही आमजन को नववर्ष के महत्व से अवगत कराने के लिए भारत का नव वर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र

भवन भोपाल में मुख्य कार्यक्रम में सम्मलित होंगे।विक्रम उत्सव-2026 के अंतर्गत 19 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य विषय पर आधारित नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा इस नाट्य प्रस्तुति के लिए नाट्य कला दलों को प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों में भेजा जा रहा है, जो स्थानीय स्तर पर सम्राट विक्रमादित्य नाट्य का मंचन करेंगे। गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ग्वालियर में सम्मिलित होंगे। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मंदसौर और राजेन्द्र शुक्ल रीवा जिले के कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

विभिन्न कैबिनेट मंत्रियों को भी अलग-अलग जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनमें कुंवर विजय शाह (खण्डवा), कैलाश विजयवर्गीय (धार), प्रहलाद सिंह पटेल (नरसिंहपुर), राकेश सिंह (जबलपुर), करण सिंह वर्मा (सीहोर), राव उदय प्रताप सिंह (नर्मदापुरम), श्रीमती संपतिया उइके (मंडला), तुलसीराम सिलावट (इन्दौर), एदल सिंह कंषाना (मुरैना), सुश्री निर्मला भूरिया (झाबुआ), गोविंद सिंह राजपूत (सागर), विश्वास सारंग (हरदा), नारायण सिंह कुशवाह (निवाड़ी), नागर सिंह चौहान (आलीराजपुर), प्रद्युम्न सिंह तोमर (शिवपुरी), राकेश शुक्ला (भिण्ड), चैतन्य काश्यप (रतलाम) और इंदर सिंह परमार (शाजापुर) शामिल हैं।

चीन-पाक नौसैनिक गठजोड़ पर संसद समिति की चेतावनी, भारत को सक्रिय रहने की दी सलाह

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। संसद की विदेश मामलों की समिति ने चीन और पाकिस्तान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को लेकर गंभीर चिंता जताई है। समिति ने सरकार को सुझाव दिया है कि भारत को इस उभरते खतरे से निपटने के लिए पहले से ज्यादा सक्रिय रणनीति अपनानी चाहिए। समिति, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं, ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन-पाकिस्तान का बढ़ता नौसैनिक गठजोड़ भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंद महासागर क्षेत्र भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की 7500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र इसे वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र बनाते हैं। करीब 90 प्रतिशत भारतीय व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है, जिसमें तेल आयात भी शामिल है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है। समिति ने कहा कि चीन तेजी से अपनी नौसैनिक ताकत बढ़ा रहा है। हर साल बड़ी संख्या में नए युद्धपोत शामिल किए जा रहे हैं, जिससे वह दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना बन चुका है। इसके साथ ही, चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के तहत समुद्री ठिकानों का विस्तार क्षेत्रीय संतुलन को बदल रहा है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिलने पहुंचे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली,(ए)। नई दिल्ली में बुधवार को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और औद्योगिक बैठक देखने को मिली, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव और सांसाद प्रियंका गांधी वाड्रा अचानक केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिलने संसद भवन पहुंचे।

दरअसल, राजस्थान से बस और ट्रक बॉडी मैन्युफैक्चरर्स का प्रतिनिधिमंडल अपनी समस्याओं को लेकर बुधवार की सुबह राहुल गांधी से मिलने आया था। राजस्थान से आए इस डेलिगेशन ने व्यापार से जुड़ी नीतिगत चुनौतियों, नए नियमों के कारण बढ़ती कठिनाइयों और उद्योग पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से बताया।

आज से शुरू हो रही है चैत्र नवरात्रि, पंडित शिप्रा सचदेव ने बताया कलश स्थापना का सही समय और तरीका

प्रयागराज (आरएनएस)। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्र को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दौरान माता के नौ रूपों की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इस साल चैत्र नवरात्र 19 तारीख से शुरू हो रहे हैं और इसी दिन हिंदू नववर्ष भी प्रारंभ हो रहा है। इसलिए भी यह दिन बेहद खास है। प्रयागराज से पंडित शिप्रा सचदेव ने इसको लेकर खास बातचीत की है।

पंडित शिप्रा सचदेव ने बताया कि कलश स्थापना का मुहूर्त सुबह 6:50 बजे से 7:52 बजे तक है। इसके अलावा अभिजित मुहूर्त 12:05 बजे से 12:50 बजे तक रहेगा। इस बार सिर्फ यही दो मुहूर्त हैं, इसलिए अगर आप कलश स्थापना करना चाहते हैं तो इन समयों में ही करना सबसे अच्छा रहेगा।

कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है, इसलिए इसे पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता रानी इस बार पालकी में सवार होकर आ रही हैं। आप जब कलश स्थापना करेंगे, तो इसमें आपकी श्रद्धा, भक्ति और मनवांछित इच्छा शामिल होनी चाहिए। स्थापना के समय नौ लौंग ले सकते हैं, उन्हें कलावे में बांधकर माला बना लीजिए और माता के गले में पहले दिन अर्पित कीजिए। इससे मां का संपूर्ण और अच्छा आशीर्वाद आपके ऊपर बना रहेगा।

छत्तीसगढ़ में रफ्तार का कहरः अलग-अलग सड़क हादसों में स्कूली छात्र समेत 5 की मौत

रायपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। इन दर्दनाक हादसों से प्रदेश में शोक का माहौल है। बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में सुबह करीब 8:30 बजे स्कूल जा रहे 12 वर्षीय छात्र जयवंत पटेल की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह कक्षा 7वीं का छात्र था और साधीपारा का निवासी था।वहीं कोरबा जिले में कोयले से भरी ट्रेलर ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। हादसे में बृजपाल सिंह कंवर (23), मंगल सिंह (25) और ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर पलट गया और सड़क पर कोयला बिखर गया। हाइड्रा मशीन की मदद से शवों को बाहर निकाला गया।

गोरखपुर में दर्दनाक हादसा : बेकाबू डंपर की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी की मौत, एक महीने पहले हुई थी शादी

गोरखपुर (आरएनएस)। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए नव दंपती और दो बच्चियां गंभीर रुप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से खोराबार थाना पुलिस दंपती को बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरु अस्पताल और बच्चियों को एम्स ले गई।रात में उपचार के दौरान दंपती की मौत हो गई। खोराबार थाना पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है चालक की तलाश चल रही है। रामपुर डाड़ी निवासी मितेश की एक माह पहले शादी हुई थी। मंगलवार की शाम पत्नी सोनम और भाई अंकेश की बेटी तन्नू व खुशी को साथ लेकर मितेश नौकायन घूमने आए थे। रात करीब आठ बजे पत्नी व दोनों भतीजी को बाइक से लेकर घर लौट रहे थे।

देवरिया बाईपास फोरलेन पर सिक्टौर में करमहिया टोला के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

वर्षा की हर एक बूंद के संचयन का संकल्पबद्ध होकर करेंगे प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-नगर और गाँव की जनता की सहभागिता से बनेगा जन-आंदोलन
-जल गंगा संवर्धन के इस वर्ष होंगे करीब 2500 करोड़ रूपये के कार्य

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 19 मार्च, गुड़ी पड़वा (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के दिन इंदौर के इस्कॉन मंदिर से तीसरे जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ करेंगे। इंदौर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दिन प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में भी जल स्रोतों या नदियों के समीप कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। साढ़े तीन माह तक चलने वाले इस प्रदेशव्यापी महाअभियान का समापन 30 जून को होगा। इसमें 18 विभाग शामिल होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का नोडल विभाग होगा, जबकि नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग सह-नोडल विभाग रहेगा। अभियान के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

हर जिले में प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में होगा क्रियान्वयन

जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में किया जाएगा। कलेक्टर जिलों में अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। उनकी अध्यक्षता में जिला जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्य योजना तैयार कर मॉनिटरिंग करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत-समन्वयक और सभी सहभागी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों, कृषि-अभियांत्रिकी शिक्षण व शोध संस्थानों के प्रतिनिधियों, जिले के प्रतिष्ठित संत व महात्माओं और जिले के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को इस समिति में नामांकित किया जा सकेगा। विकास खंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नोडल अधिकारी होंगे। उनके नेतृत्व में विकास खंड जल गंगा संवर्धन अभियान समिति कार्यों की निगरानी करेगी। इस समिति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत-समन्वयक और सहभागी विभागों के विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे। जल संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 4-5 सरपंच तथा विकास खण्ड के प्रतिष्ठित व्यक्ति इस समिति में आमंत्रित किए जा सकेंगे।

ये विभाग अभियान में होंगे शामिल

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन एवं आवास, वन, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जन अभियान परिषद और जनसंपर्क विभाग शामिल हैं।

विभागवार होने वाले प्रमुख कार्य

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 में जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा अंतर्गत प्रारंभ किए गए 86,360 खेत तालाब, 553 अमृत सरोवर, 1.5 लाख डगवेल रिचार्ज में से प्रचलित कार्यों को पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वॉटरशेड विकास 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन के 2200 कार्यों का क्रियान्वयन किया जाएगा। मनरेगा अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-वॉटरशेड विकास 1.0 की परियोजनाओं में निर्मित किए गए चेक डेम तथा स्टापडेम की मरम्मत व नवीनीकरण का कार्य किया जाएगा। माँ नर्मदा परिक्रमा पथ, गंगोत्री हरित परियोजना और एक बगिया मां के नाम परियोजना के अंतर्गतविगत वर्ष किए गए पौधरोपण के गैप फिलिंग के लिए आवश्यक तैयारी की जाएगी।

शासकीय नर्सरियों को बनाया जायेगा आदर्श नर्सरी : मंत्री श्री कुशवाह

उद्यानिकी मंत्री द्वारा बैतूल की कम्पनी गार्डन नर्सरी का निरीक्षण

भोपाल (ए.)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश की शासकीय नर्सरियों को आदर्श नर्सरी के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके लिये विभाग द्वारा विस्तृत कार्य योजना तैयार की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 55 जिलों में 300 रोपणी/प्रक्षैत्र संचालित किये जा रहे हैं। इनमें उच्च गुणवत्ता की पौध-रोपण सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है। मंत्री श्री कुशवाह ने बैतूल जिले में शासकीय उद्यान कम्पनी गार्डन का निरीक्षण कर इसे आधुनिक बनाने के निर्देश दिये। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें किसान भाइयों को परम्परागत खेती के साथ उद्यानिकी फसलों फल, फूल, सब्जियों के उत्पादन के लिये प्रेरित किया जा रहा है जिससे कि किसान भाइयों को उत्तम गुणवत्ता के पौध और बीज प्राप्त हो सकें। मंत्री श्री कुशवाह ने प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों के जिले की 10 नर्सरियों को हाईटेक नर्सरी के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने बैतूल की कम्पनी गार्डन शासकीय नर्सरी को और अधिक आकर्षक और फल-फूलों से समृद्ध बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मंत्री श्री कुशवाह नर्सरी का सघन निरीक्षण किया तथा वहाँ उपलब्ध पौधों, फलों और उपकरणों के विषय में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

पमरे प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक द्वारा रानी कमलापति स्टेशन एवं नवनिर्मित नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में दिंनाक 18 मार्च 2026 को पमरे जबलपुर अरविंद कुमार रजक द्वारा रानी कमलापति स्टेशन एवं नवनिर्मित मण्डल नियंत्रण कार्यालय का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान रानी कमलापति स्टेशन पर उन्होंने यात्री सुविधाओं, सुरक्षा प्रबंधन, स्टेशन विकास, स्वच्छता, मेट्रो कनेक्टिविटी एवं मंडल स्तर पर संचालित परिचालन व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। श्री रजक द्वारा रानी कमलापति स्टेशन के निरीक्षण के दौरान द्वारा यात्री सुविधाओं में प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, टिकट काउंटर, एस्केलेटर, लिफ्ट, पेयजल व्यवस्था, यात्री सूचना प्रणाली, शौचालयों, पार्किंग क्षेत्र एवं ट्रेन संचालन से जुड़े प्राविधिक बिंदुओं का निरीक्षण करते संतोश व्यक्त किया। स्टेशन की साफ-सफाई को देखकर श्री रजक द्वारा सफाई कर्मियों की सराहना की।

रानी कमलापति स्टेशन पर मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से कनेक्टिविटी का निरीक्षण करते हुये बंसल पाथवे के अधिकारियों को मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म से कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर हेतु निर्देशित किया। मंडल कार्यालय के नवनिर्मित मण्डल नियंत्रण कार्यालय का श्री रजक द्वारा सभी रेल खण्डों का गहन निरीक्षण किया। तदोपरांत मण्डल कार्यालय में वाणिज्य अधिकारियों से यात्री सुविधाओं, मालभाड़ा, एन.एफ.आर विशयों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खर्च में फिसड्डी, कर्ज में अव्वल, अजय सिंह का प्रदेश सरकार पर तीखा हमला

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार बजट खर्च करने में नाकाम और कर्ज लेने में सबसे आगे है। अजय सिंह ने बुधवार को अपने बयान में कहा कि, वित्त वर्ष खत्म होने में महज कुछ दिन शेष हैं, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार अब तक करीब 33 प्रतिशत बजट खर्च नहीं कर पाई है। यह राशि लगभग 1.10 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पूरे साल निष्क्रिय रहने के बाद अब सरकार आखिरी दिनों में जल्दबाजी में पैसा खर्च कर रही है, जो भ्रष्टाचार और फिजूलखर्ची की आशंका पैदा करता है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, लोक निर्माण, कृषि और नवकरणीय ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण विभागों में औसतन केवल 60 प्रतिशत बजट ही खर्च हो सका है। इसे उन्होंने सरकार की प्रशासनिक विफलता करार दिया। अजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार विकास के नाम पर लगातार कर्ज ले रही है, जबकि बजट का सही उपयोग नहीं कर पा रही। अनुसार, बीते एक सप्ताह में ही करीब 9,900 करोड़ रुपये का नया कर्ज लिया गया है और कुल कर्ज का आंकड़ा 5.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। इससे आने वाले समय में आम नागरिकों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा।

सीएम ब्लॉग

नव संवत्सरः कृषि, जल और विकास के रोड मैप का संकल्पक : डॉ. मोहन यादव

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होने वाला नवसंवत्सर हमारी सांस्कृतिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि और प्राकृतिक जीवन पद्धति का प्रतीक है। इस वर्ष विक्रम संवत् 2083 का शुभारंभ हुआ है। यह मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय कालगणना की गौरवशाली परंपरा उज्जयिनी से प्रारंभ हुई है। सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ हुआ विक्रम संवत् भारतीय संस्कृति की चेतना और राष्ट्र की अस्मिता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य न्यायप्रियता, पराक्रम, धैर्य, ज्ञानशीलता और सुशासन के आदर्श हैं। विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर उन्होंने राष्ट्र की रक्षा और भारतीय संस्कृति के गौरव को प्रतिष्ठित किया। उनके शासनकाल में सुशासन की आदर्श परंपराएं स्थापित हुईं। उन्होंने न्याय और नीति के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी शासन और प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विक्रमादित्य के सुशासन की परंपरा का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' की कथाओं में मिलता है। यह उस आदर्श शासन-व्यवस्था का प्रमाण है जिसमें योग्य मंत्रियों, विद्वानों और नीति-निपुण व्यक्तियों के सहयोग से राज्य संचालित किया जाता था। सम्राट विक्रमादित्य ने जिस तरह ज्ञान, संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था को विकसित किया, वह भारतीय राज्य परंपरा की श्रेष्ठता का प्रतीक है। सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व और भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में 'विक्रमोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 12 फरवरी 2026 से 30 जून 2026 तक चलने वाला यह 139 दिवसीय उत्सव दीर्घ आयोजन का कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक कार्यक्रमों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन, उनके आदर्श और उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।उज्जयिनी प्राचीन काल से ही भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक चेतना का केन्द्र रही है। बाबा महाकाल की पावन नगरी का संबंध कालगणना, खगोल विज्ञान और आध्यात्मिक साधना से रहा है। हमारे पूर्वजों ने हजारों वर्ष पहले ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का गहन अध्ययन कर जो कालगणना पद्धति विकसित की, वह आज भी विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। उज्जैन की वेधशाला और वैदिक कालगणना हमारी ज्ञान परंपरा का प्रमाण है। हमारे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का पुनर्स्थापन किया गया। यह घड़ी भारतीय समय गणना की परंपरा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।भारतीय नववर्ष प्रकृति के नवोदय का पर्व है। इस समय प्रकृति नवजीवन से समृद्ध होती है,पृथ्वी पर नवचेतना और नवसृजन का संचार होता है। देश भर में मनाए जाने वाले नवसंवत्सर के विभिन्न नाम हैं। कहीं इसे गुड़ी पड़वा, कहीं उगादि, कहीं चैती चांद और कहीं नवरोज के रूप में मनाया जाता है।इसी दिन से चैत्र नवरात्र का भी शुभारंभ होता है। नवरात्र के नौ दिन साधना, आत्मशुद्धि और शक्ति उपासना का अवसर है। भारतीय जीवन पद्धति में पर्व और परंपराएं व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मध्यप्रदेश में नवसंवत्सर का आयोजन विकास और जनकल्याण के नए संकल्पों के साथ किया जा रहा है। नवसृजन के प्राकृतिक उत्सव अवसर पर मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश में यह वर्ष कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषि हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। इस वर्ष हमने पहली कृषि कैबिनेट बैठक बड़वानी जिले के भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में की है। इसमें कृषि विकास और कल्याण के लिए 27 हजार 500 करोड़ रुपये की योजनाओं को स्वीकृत किया गया।कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहित करने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन के लिए प्रदेश में योजनाएं लागू की गई हैं। हमारा लक्ष्य है कि किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ कृषि-आधारित उद्योगों के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करें और आत्मनिर्भर बनें।यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम विरासत के साथ विकास मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी अनुरूप प्रदेश में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास पर कार्य किया जा रहा है। ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर और अन्य प्रमुख तीर्थस्थल आध्यात्मिक पर्यटन स्वरूप में विकसित हो रहे हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व के लिए होने वाली समस्त तैयारियां प्रगति पर हैं। इसके साथ ही श्रीराम वनगमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय जैसी योजनाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ा जा रहा है।भारतीय नववर्ष का आयोजन हमें प्रकृति संरक्षण की प्रेरणा देता है। हमारी परंपरा में गुड़ी पड़वा के दिन सूर्योदय से पहले स्वच्छ जल में स्नान करने और सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। अर्घ्य देने की परंपरा में जल स्रोतों की पवित्रता और संरक्षण का संदेश है। जल संरक्षण के इसी भाव के साथ मध्यप्रदेश में आज से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। नववर्ष प्रतिपदा पर शिप्रा तट उज्जैन से प्रारंभ होने वालेइस तीसरे राज्य स्तरीय अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों और नवीन तकनीकी, नवाचारों के साथ प्रदेश के जल स्रोतों को सुरक्षित किया जायेगा।

भोपाल में कई बड़े संस्थानों को बम धमाकों से दहलाने की धमकी से मचा हड़कंप, जांच में फर्जी निकली

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार को कई प्रमुख शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि, पुलिस की गहन जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह फर्जी पाई गई। जानकारी अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10 बजे भोपाल स्थित जेके मेडिकल यूनिवर्सिटी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, जेके हॉस्पिटल और एलएन मेडिकल कॉलेज की उनके आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा मेल भेजा गया। मेल में दावा किया गया कि परिसर में 21 बम रखे गए हैं और इस्लामी समय अनुसार जौहर की नमाज के बाद, दोपहर 1:30 बजे सीरियल ब्लास्ट किए जाएंगे।धमकी की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई। बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने सभी परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया। एहतियात के तौर पर अस्पताल और विश्वविद्यालयों की इमारतें खाली कराई गईं, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद पुलिस ने इसे फर्जी धमकी करार दिया।इसी दौरान अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय और अरेरा हिल्स स्थित वाणिज्यिक कर कार्यालय को भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत परिसर खाली कराकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद वहां भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गौरतलब है कि भोपाल में इस तरह की धमकियों का सिलसिला लगातार जारी है।

नौकरी देने से मना करने पर गुस्साये नाबालिग, चोरी कर ले भागा 15 लाख का डंपर

जीआरपी ने 48 घंटो के भीतर ही किया गिरफ्तार

भोपाल(ए.)। जीआरपी भोपाल की टीम एक ऐसे नाबालिग किशोर को गिरफ्तार किया है, जिसने उसे नाबालिग देख ड्रायवर की नौकरी देने से मना करने वाले डंपर मालिक का डंपर ही चोरी कर लिया। आरोपी किशोर को मंहगे शौक की लत है, और इन पैसो से वह अपने शौक पूरे करना चाहता था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

- आधी रात को मिली थी डंपर चोरी की शिकायत

थाना प्रभारी निरी.जहीर खॉन से मिली जानकारी के अनुसार बीती 15 मार्च की करीब आधी रात को थाने पहुचें करोंद निवासी मिराज खॉन पिता इमामुल्लाह खॉन (31) ने शिकायत करते हुए बताया की उनका एक डम्पर ट्रक रेलवे परिक्षेत्र पश्चिम रेलवे कॉलोनी के निर्माणाधीन समदड़िया ग्रुप की साइट से चोरी हो गया है। शुरुआती जॉच के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला कायम कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु की।

- डंपर में ही सोता मिला आरोपी किशोर

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की मदद से मिला सुराग

जॉच टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले इन फुटेज के साथ ही टीम को डंपर चोरी मामले में मुखबिर से अहम सुराग हाथ लगे। जीआरपी टीम को सूचना मिली की चोरी गया डंपर जेपी नगर कार्बाइड फैक्ट्री के पास खड़ा है। पुलिस फौरन ही मौके पर पहुचीं जहॉ डंपर में एक नाबालिग किशोर सोता हुआ मिला। उसे उतारकर पूछताछ करने पर उसने बताया की यह डंपर उसने की चोरी किया है, और इसे कहीं और ले जाने की फिराक में था, लेकिन रात अधिक होने के कारण पुलिस से बचने के लिये वह सो गया और सुबह नींद नहीं खुलने पर शहर में नो एंट्री लग जाने के कारण वह शहर नहीं छोड़ सका।

किशोर ने पुलिस को बताया की वह डंपर चोरी करने से एक दिन पहले ही फरियादी सेठ मिराज खॉन से काम मांगने गया था। लेकिन उसकी छोटी उम्र देखकर उसे नौकरी देने से मना करते हुए काम पर रखने से इंकार कर दिया। वह पढ़ा लिखा नहीं है, लेकिन छोटी उम्र से ही वह निर्माण साईटो पर ट्रक चालको के साथ रहते हुए क्लीनरी का काम करते-करते डंपर सहित अन्य भारी वाहन चलाना भी सीख गया था। वहीं नौकरी देने से इंकार करने पर उसने गुस्से में आकर फरियादी का वह खड़ा हुआ डंपर चोरी कर लिया जिसमें पहले ही चाबी लगी थी। आरोपी किशोर डंपर को चोरी कर खुद ही चलाकर चोरी कर ले भागा था। पुलिस ने चोरी गया 15 लाख का डंपर जप्त करते हुए आरोपी किशोर की काउंसलिंग कराने के बाद किशोर न्यायलय प्रकरण भेजा। बाद में नाबालिग आरोपी को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

- इनकी रही सराहनीय भुमिका

डंपर चोरी का कम समय में खुलासा करने वाली टीम में थाना जीआरपी निरीक्षक जहीर खॉन,उनि मिथलेश भरद्वाज, प्र.आर.राजेश शर्मा,अनिल सिंह,आर.सचिन जाट,बृजेश कारपेंटर की सराहनीय भूमिका रही।

गेहूँ खरीदी में किसानों को नहीं होगी परेशानी : मंत्री श्री कंषाना

भोपाल (ए.)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार ने रबी विपणन वर्ष 226-27 के लिए किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। प्रदेश में गेहूँ उपार्जन कार्य चरणबद्ध रूप से प्रारम्भ किया जाएगा। गेहूँ खरीदी में किसानों को बिल्कुल परेशानी नहीं होगी। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभागों में गेहूँ खरीदी 1 अप्रैल 226 से शुरू होगी, जबकि शेष संभागों में 7 अप्रैल 226 से खरीदी प्रारम्भ की जाएगी। गेहूँ उपार्जन शासकीय कार्य दिवसों में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, जिससे किसानों को सुविधाजनक समय मिल सके। राज्य सरकार ने किसानों को अतिरिक्त लाभ देने के उद्देश्य से गेहूँ खरीदी पर 4 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही अब किसानों से गेहूँ की खरीदी 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि रबी विपणन वर्ष 226-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये प्रदेश के कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष के 15 लाख 44 हजार किसानों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह किसानों का सरकार की नीतियों पर बढ़ता विश्वास दर्शाता है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि सरकार किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सभी खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए ठंडे पेयजल, पंखों, छाया तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है, जिससे किसानों को धूप में खड़े होकर किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री कंषाना ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से संचालित की जाए तथा किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

आधुनिक खेती में महिलाओं का बढ़ता कदम, आगर की रीना बनीं 'ड्रोन सखी'

ड्रोन तकनीक से बदली तस्वीर

भोपाल (ए.)। आधुनिक तकनीक अब ग्रामीण भारत की महिलाओं को भी आत्मनिर्भरता की नई उड़ान दे रही है। आगर जिले के ग्राम थडोदा की रीना चंदेल इसका प्रेरक उदाहरण हैं। आजीविका मिशन और नाफेड के सहयोग से प्राप्त ड्रोन संचालन प्रशिक्षण ने रीना को न केवल नई पहचान दी, बल्कि उन्हें गांव-गांव में आधुनिक खेती की अग्रदूत बना दिया है। अब रीना ड्रोन तकनीक के माध्यम से किसानों के खेतों में स्प्रे कर रही हैं और पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेती-किसानी के क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रीना ने जिले में किसानों के खेतों तक ड्रोन तकनीक पहुंचाने का काम शुरू किया। वह स्वयं ड्रोन का संचालन करती हैं और खेतों में कीटनाशक व पोषक तत्वों का स्प्रे करती हैं। खरीफ सीजन में रीना ने 42 किसानों की लगभग 121 एकड़ जमीन पर ड्रोन के माध्यम से स्प्रे किया और प्रति एकड़ 500 रुपये की दर से सेवा प्रदान की। वहीं रबी सीजन में उन्होंने 56 किसानों की लगभग 156 एकड़ जमीन पर ड्रोन स्प्रे कर आधुनिक कृषि पद्धति को बढ़ावा दिया। रीना की सक्रियता और मेहनत को देखते हुए कृषि विभाग ने उन्हें कृषि सखी की जिम्मेदारी भी सौंपी है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण के बाद वह समूह की महिलाओं और किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दे रही हैं। इस कार्य के लिए उन्हें विभाग की ओर से प्रतिमाह 5 हजार रुपये का मानदेय भी दिया जा रहा है। रीना चंदेल की कहानी यह दर्शाती है कि यदि अवसर और प्रशिक्षण मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी तकनीक के क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर सकती हैं। ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के उपयोग से उन्होंने न केवल अपनी आय का स्रोत बढ़ाया है, बल्कि किसानों को भी समय और श्रम की बचत के साथ बेहतर खेती की दिशा दिखाई है। आज रीना अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनकी यह सफलता बताती है कि बदलते समय में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आधुनिक तकनीक को अपनाकर गांव और खेती दोनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

छतरपुर में विरोधः गैस सिलेंडर किल्लत पर सड़कों पर उतरी कांग्रेस, खाली सिलिंडर लेकर किया विरोध प्रदर्शन

छतरपुर (ए.)। छतरपुर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस सड़कों पर उतर आई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में विरोध जताते हुए सिर पर खाली गैस सिलेंडर रखकर रैली निकाली और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन की शुरुआत जिला कांग्रेस कार्यालय से हुई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए छत्रसाल चौराहे तक पहुंचा। यहां कार्यकर्ताओं ने सड़क के बीच टेंट लगाकर चूल्हा जलाया और प्रतीकात्मक रूप से सरकार के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता जमीन पर बैठकर खाना बनाने की मुद्रा में भी नजर आए, जिससे आम लोगों की परेशानी को दर्शाया गया।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रदेश में गैस सिलेंडर की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। आम उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जबकि कालाबाजारी खुलेआम हो रही है। उनका आरोप है कि जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा, जिससे आम जनता को मजबूरी में महंगे दामों पर सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है।

जिलाध्यक्ष गगन यादव ने कहा कि पहले कोरोना महामारी और फिर नोटबंदी के दौरान जनता परेशान हुई, और अब गैस सिलेंडर संकट ने लोगों की रसोई पर सीधा असर डाला है। उन्होंने मांग की कि गैस आपूर्ति व्यवस्था को तुरंत सुधारा जाए और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

इस प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष लखन पटेल, महाप्रसाद पटेल, अनीश खान, अशोक मिश्रा, आदित्य मिश्रा, कपिल रिछारिया, मोनू सिंह, अवधेश सोनाकिया, दीप्ति पांडेय, पारुल मिश्रा, मंजू शर्मा, प्रियंका अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गगन यादव, जिलाध्यक्ष, कांग्रेस

गैस की किल्लत से आम जनता परेशान है, लेकिन सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

आग ने मां के साथ आने वाली संतान को भी छीना, गर्भवती थी पुगलिया परिवार की बहू सिमरन

इंदौर (ए.)। इंदौर। ब्रजेश्वरी कॉलोनी में पुगलिया परिवार के मकान में लगी आग ने दो परिवारों को तबाह कर दिया। पुगलिया परिवार के मुखिया मनोज पुगलिया और उनकी बहू सिमरन की इस हादसे में मौत हो गई। सिमरन, मनोज के बेटे सौरभ की पत्नी थी। वह तीन साल पहले ही इस घर की बहू बनकर आई थी और गर्भवती थी। उसने इस परिवार के साथ एक नई जिंदगी के सपने भी संजोए थे।

चार माह का गर्भ था

चार महीने से अधिक की गर्भवती सिमरन अब इस दुनिया में नहीं रहीं और उनके साथ ही उस नन्ही जान ने भी दम तोड़ दिया, जो अभी इस दुनिया में आने वाली थी। गर्भवती होने के कारण डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी थी। इस कारण सिमरन नीचे की मंजिल पर थी।

जनवरी में हुई थी शादी, सामान लेने कमरे में गई थी

हादसे में मृत कारोबारी मनोज पुगलिया के तीन बेटे हैं। दूसरे नंबर के बेटे की जनवरी माह में शादी हुई थी। उसकी पत्नी मायके में थी। तीसरे बेटे की शादी नहीं हुई है। बताया जाता है कि सौरभ ने अपनी पत्नी सिमरन को भी छत पर चलने के लिए कहा, लेकिन वह कुछ जरूरी सामान लेने कमरे के भीतर चली गई। इसके बाद पूरे घर में इतना धुआं भर गया कि नीचे के हिस्से में लोगों का दम घुटने लगा। मनोज के तीनों बेटे और पत्नी छत के रास्ते पड़ोसी की छत पर चले गए, जबकि मेहमानों को छत पर जाने का मौका भी नहीं मिल पाया।

इंदौर हादसे में बहू की भी मौत

चार महीने की थी गर्भवती

साले विजय सेठिया का परिवार रात में ही आया था

मनोज के साले विजय सेठिया और उनका परिवार रात को ही घर आया था। खाना खाने के बाद रात 12 बजे तक सभी नीचे बैठकर बातें करते रहे। इसके बाद सभी अलग-अलग कमरों में सोने चले गए थे।

बेटा आया कीमती सामान लेने

आग लगने पर तीनों बेटों को भागने के अलावा कुछ नहीं सूझा। सबसे पहले उन्होंने अपनी जान बचाई। घर में कीमती सामान और जेवर रखे थे। इन्हें निकालने के लिए बेटा सौरभ सुबह आठ बजे अपने जले हुए घर पर फिर पहुंचा। सौरभ ने बताया कि जब आग लगी, तब पूरे घर में काला धुआं भरा हुआ था और सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी।

मौत के बाद भी दुनिया देखेंगी लक्ष्मी वाधवानी, परिजनों ने नेत्रदान कर पेश की मानवता की मिसाल

सागर (ए.)। बुंदेलखंड के सागर जिले में एक परिवार ने शोक की घड़ी में साहस और परोपकार का ऐसा उदाहरण पेश किया है, जिसकी हर तरफ सराहना हो रही है। सुभाष नगर निवासी 58 वर्षीय लक्ष्मी वाधवानी के निधन के बाद उनके बच्चों ने उनकी अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान किया। इस दान से अब दो दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन का अंधेरा दूर होगा और वे दुनिया देख सकेंगे।

हार्ट अटैक से हुआ था निधन

जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर लक्ष्मी वाधवानी का हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) से आकस्मिक निधन हो गया था। अचानक हुई इस दुखद घटना से परिवार स्तब्ध था, लेकिन दुख के इन क्षणों में भी दिवंगत महिला के पुत्र विजय और पुत्री संगीता ने अपनी माता के संकल्प को याद रखा। लक्ष्मी वाधवानी ने अपने जीवनकाल में ही मरणोपरांत नेत्रदान करने की इच्छा जताई थी।

भूतड़ी अमावस्या : ओंकारेश्वर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, जलप्रवाह को नियमित और स्थिर बनाने पर जोर

ओंकारेश्वर (ए.)। भूतड़ी अमावस्या और गुड़ी पड़वा जैसे प्रमुख पर्वों के अवसर पर तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर सहित नर्मदा तट के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण आदेश जारी किए गए हैं।

प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार 18 मार्च से 19 मार्च तक नर्मदा नदी में जलप्रवाह को नियमित और स्थिर बनाए रखा जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन सुबह 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक जलस्तर एक समान रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। इसके लिए अधिकतम 3 टरबाइन संचालित की जाएंगी, जबकि रात्रि में विद्युत मांग कम होने पर आवश्यकता अनुसार टरबाइनों की संख्या घटाई भी जा सकेगी।

ज्ञात हो कि इन पर्वों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु ओंकारेश्वर और महेश्वर पहुंचकर नर्मदा स्नान के साथ-साथ ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर के दर्शन करते हैं। स्नान उपरांत घाटों पर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की परंपरा के चलते घाटों पर अत्यधिक भीड़ रहती है, जिसे देखते हुए यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जानें कब तक प्रभावी रहेगा प्रतिबंध?

वहीं, दूसरी ओर, श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए खंडवा-इंदौर (इंदौर-इच्छापुर) राष्ट्रीय राजमार्ग पर 18 से 19 मार्च तक भारी वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध 18 मार्च सुबह 6 बजे से लागू होकर 19 मार्च की रात्रि 12 बजे तक प्रभावी रहेगा। प्रतिबंध के दौरान बुरहानपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन देशगांव से खरगोन, कसरावद, खलघाट, महू होते हुए इंदौर की ओर भेजे जाएंगे। इसी प्रकार इंदौर से आने वाले भारी वाहन महू, खलघाट, कसरावद, खरगोन होते हुए भीकनगांव मार्ग से देशगांव होकर खंडवा-बुरहानपुर की ओर आवागमन करेंगे।

बागेश्वर धाम में आरती के दौरान हादसा, दीपक से साड़ी में लगी आग, महिला गंभीर रूप से झुलसी

छतरपुर (ए.)। छतरपुर जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बागेश्वर धाम में आरती के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। दीपक की लौ से एक महिला की साड़ी में आग लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। महिला को तुरंत जिला अस्पताल लाकर बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

जानकारी के अनुसार, घायल महिला की पहचान मंगला देवी (46) पत्नी महेंद्र के रूप में हुई है, जो बिहार के करियाघाट गांव, थाना पठिया की रहने वाली है। वह अपने परिजनों के साथ बागेश्वर धाम दर्शन करने आई थी। बताया जा रहा है कि आरती के समय गदा स्थल के पास नीचे दीपक रखे हुए थे। इसी दौरान महिला की साड़ी दीपक की लौ की चपेट में आ गई और देखते ही देखते आग फैल गई। आग ने कुछ ही पलों में विकराल रूप ले लिया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

हालांकि मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और धाम के सेवादारों ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए कंबल और अन्य साधनों की मदद से आग पर काबू पाया। तत्परता के चलते महिला की जान बचाई जा सकी। इसके बाद धाम प्रबंधन द्वारा बिना देर किए उसे जिला अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक महिला के हाथ, पैर और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए हैं। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और बर्न वार्ड में विशेषज्ञों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी में आई नरमी

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। आज दोनो के ही वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सुबह के समय सोने के वायदा भाव 1,55,750 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,51,000 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में कारोबार रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल अनुबंध आज 327 रुपये टूटकर 1,55,658 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इससे पिछला बंद भाव 1,55,985 रुपये था।

एक समय ये अनुबंध 201 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,784 रुपये के स्तर पर कामकाज कर रहा था। इस समय इसने 1,55,784 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 1,55,600 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे

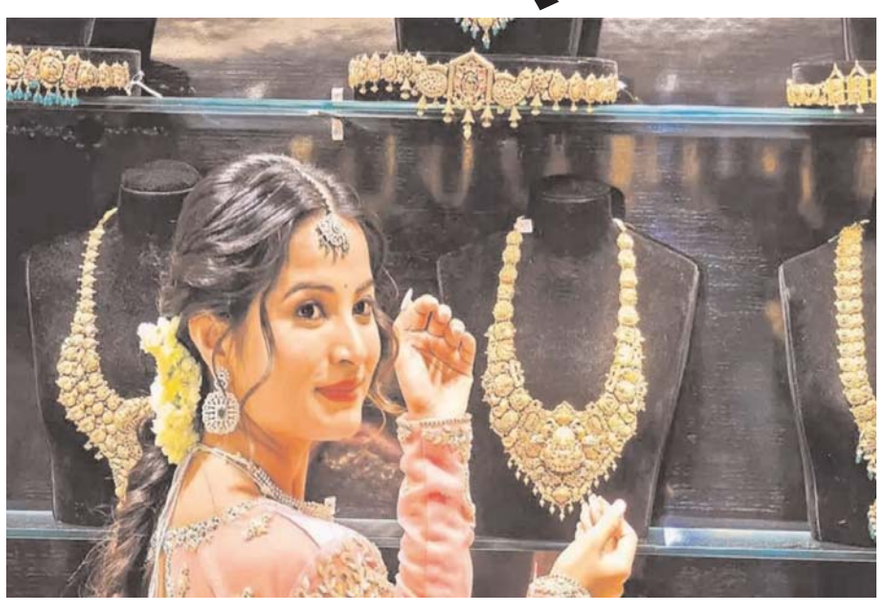

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध आज 1,615 रुपये नीचे आकर 2,51,498 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,53,113 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 2,107 रुपये की गिरावट के साथ 2,51,006 रुपये के भाव पर कामकाज कर रहा था। ये 2,51,498 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,50,919 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में नरमी रही है। कामेक्स पर सोना आज 5,010.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला।

इसका पिछला बंद भाव 5,008.20 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 79.39 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 79.92 डॉलर था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 633, निफ्टी 196 अंक उछला

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज आईटी और रियल्टी शेयरों में आये उछाल से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 196.65 अंक ऊपर आकर 23,777.80 पर बंद हुआ। आज व्यापक बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया और निफ्टी मिडकैप में 2.02 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.67 फीसदी की बढ़त आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मीडिया, निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी में भी तेजी रही। । इसके अलावा, निफ्टी ऑटो , निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में बढ़त दर्ज की गई। जबकि निफ्टी एफएमसीजी में मामूली गिरावट रही। निफ्टी में टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टीसीएस, एक्सिस बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस और अदाणी इंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल आया। वहीं सिप्ला, एचयूएल, कोल इंडिया, एनटीपीस, सनफार्मा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल्स और हिंडाल्को के शेयर गिरे। सेंसेक्स में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। जिससे यह पहले के 433 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 438 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ही बाजार में उछाल देखने में आया। आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में खरीददारी से प्रमुख सूचकांक में उछाल आया। सुबह सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ ही 76,257 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया जबकि निफ्टी भी 65 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुलकर 23,646 तक पहुंचा। निफ्टी में जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त तेजी आई उसमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज, विप्रो और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे। इन शेयरों में अच्छी खरीदारी से सूचकांक उछला। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। वैश्विक संकेतों का प्रभाव भी घरेलू बाजार पर दिखा। निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरन रिजर्व पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया किया जाएगा। एशियाई बाजारों में भी अच्छा माहौल रहा। जापान का निकेई 225 2 फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। वहीं आंकड़ों के अनुसार फरवरी में जापान के निर्यात में सालाना आधार पर 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी रही। दक्षिण कोरिया का क्रोस्पी लगभग 4 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ क्षेत्रीय बाजारों में सबसे आगे रहा। वहीं चीन का सीएसआई 300 और हांगकांग का हेंग सेंग भी हल्की बढ़त के साथ कारोबार करते दिखा। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वॉल स्ट्रीट में भी सकारात्मक माहौल रहा। एसएंडपी 500

Audi ने भारत में उतारी धांसू कार, पलक झपकते ही पकड़ती है 100 की रफ्तार; इतनी है कीमत

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में तहलका मचाने के लिए दिग्गज जर्मन कार निर्माता कंपनी ऑडी ने अपनी नई और बेहद दमदार प्रीमियम कार ऑडी एसक्यू8 (Audi SQ}) को लॉन्च कर दिया है। रफ्तार और लग्जरी के शौकीनों के लिए यह कार एक बेहतरीन सौगात है। कंपनी ने अपनी इस नई पेशकश को स्टैंडर्ड क्यू8 (Q}) और टॉप मॉडल आरएस क्यू8 (RS Q}) के बीच के खाली गैप को भरने के लिए बाजार में उतारा है। इस धांसू एसयूवी में 4 लीटर का दमदार ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है, जो इसके टॉप मॉडल आरएस क्यू8 में भी मिलता है, हालांकि एसक्यू8 के लिए इसे थोड़ा डीट्यून किया गया है। कार की आधिकारिक बुकिंग शुरू हो चुकी है।

कीमत में स्टैंडर्ड मॉडल से 65 लाख रुपये महंगी

ऑडी ने अपनी इस शानदार एसक्यू8 को 1.78 करोड़ रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर भारतीय बाजार में उतारा है। कीमत की तुलना करें तो, ऑडी की स्टैंडर्ड क्यू8 की कीमत 1.13 करोड़ रुपये है, जबकि इसके हाई-परफॉर्मेंस आरएस क्यू8 मॉडल की कीमत 2.34 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है। इस लिहाज से नई एसक्यू8 अपने स्टैंडर्ड ट्रिम के मुकाबले 65 लाख रुपये महंगी है, लेकिन टॉप परफॉर्मेंस ट्रिम से करीब 56 लाख रुपये सस्ती भी है, जो इसे ग्राहकों के लिए एक परफेक ?ट मिडल ग्राउंड बनाता है।

महज 4.1 सेकंड में 100 की स्पीड, इंजन में है जबरदस्त पावर

नई ऑडी एसक्यू8 की सबसे बड़ी खासियत इसका पावरफुल इंजन और तेज रफ्तार है। इसमें दिया गया 4 लीटर का ट्विन टर्बो वी8 इंजन 507 एचपी की जबर्दस्त पावर और 770 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस दमदार इंजन को 8-स्पीड ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है, जो कार के सभी पहियों (ऑल व्हील ड्राइव) तक पावर पहुंचाता है। झ

चीन जा रहे रूसी तेल टैंकर का यू-टर्न, अब भारत आ रहा; भारतीय रिफाइनरियों ने खरीदे तीन करोड़ बैरल क्रूड

नई दिल्ली (ए.)। ईरान में युद्ध के कारण मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़ा भू-राजनीतिक और व्यापारिक बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका की भारत को रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की अस्थायी छूट दिए जाने के बाद, चीन की ओर जा रहे कई एक रूसी तेल टैंकर बीच रास्ते में ही अपना मार्ग बदलकर भारत का रुख कर लिया है। यह घटनाक्रम भारत की ऊर्जा सुरक्षा और बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिहाज से एक बेहद अहम और कूटनीतिक कदम है।

रूसी जहाज के 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने की उम्मीद

शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 'एक्रा टाइटन'नामक एक अफ्रामैक्स रूसी टैंकर, जो मूल रूप से चीन के रिझाओ बंदरगाह की ओर जा रहा था, उसने मध्य मार्च में दक्षिण पूर्व एशियाई जलक्षेत्र (दक्षिण चीन सागर) से यू-टर्न ले लिया है। यह टैंकर जनवरी के अंत में बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से 'उरल्स' कच्चा तेल लेकर चला था और अब इसके 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने की उम्मीद है।

कम से कम सात रूसी टैंकरों के दिशा बदलने की खबर

वोर्टेक्सा लिमिटेड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कम से कम सात ऐसे टैंकर हैं जो रूसी तेल ले जा रहे थे और उन्होंने अपनी यात्रा के बीच में ही चीन से भारत की ओर अपनी दिशा बदल ली है।

यह रणनीतिक बदलाव मुख्य रूप से तब आया जब अमेरिका ने भारत को ईरान युद्ध के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए अस्थायी रूप से रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की हरी झंडी दे दी। इस महत्वपूर्ण रियायत के मिलने के बाद वाले सप्ताह में ही, भारतीय रिफाइनरियों ने तेजी दिखाते हुए तीन करोड़ (30 मिलियन) बैरल रूसी कच्चे तेल की भारी-भरकम खरीद की है। वर्तमान में भारत की सभी प्रमुख रिफाइनरियां कच्चे तेल के बाजार में सक्रिय रूप से रूस से खरीदारी कर रही हैं।

केपलर और जहाज-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रूस के काला सागर स्थित नोवोरोसिस्क से कज़ाख सीपीसी ब्लेंड क्रूड लेकर चीन के रिझाओ जा रहे 'सुएज़मैक्स जूजू एन' टैंकर ने भी मार्च की शुरुआत में दिशा बदल ली। इसके 25 मार्च तक भारत के सिक्का पहुंचने का अनुमान है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 50 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.87 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में है इसी से रुपये में गिरावट आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती एवं अमेरिकी मुद्रा में तेजी से भी मुद्रा पर दबाव डाला। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले की प्रतीक्षा में सतर्कता बरत रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.35 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.87 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रैप म्यूजिक से बनाई पहचान

पुराने दलों एवं नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की समस्याओं की जड़ बताना बालेंद्र शाह के रैप गानों का थीम रहा। इस तरह उन्होंने जन भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। नेपाल के चुनाव नतीजों से साफ है कि वहां के लोग पुरानी पार्टियों और नेताओं से कितने आजिज़ आ चुके थे। नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को उन्होंने सिरे से ठुकरा दिया है। अब उन्होंने अपना दांव ऐसे नेता पर लगाया है, जिन्होंने अपनी पहचान रैप म्यूजिक से बनाई और उसी माध्यम से राजनीति में लोकप्रिय हुए। बालेंद्र शाह पहले अपने दम पर काठमांडू के मेयर बने और अब पिछले सितंबर की उथल-पुथल के बाद हुए चुनाव में लोगों की उम्मीद का सबसे बड़ा प्रतीक बन कर उभरे हैं। शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल के हालिया इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। शाह ने चुनाव अभियान भी रैपर के बतौर चलाया। पुराने दलों और नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की तमाम समस्याओं की जड़ बताना उनके रैप गानों का थीम रहा है। इस तरह उन्होंने लोगों के भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। मगर चाहे राजनीतिक संस्कृति से जुड़ी समस्याएं हों या ठोस आर्थिक मसले- उनका समाधान रैप अथवा किसी संगीत से नहीं निकल सकता। इसके लिए ठोस कार्यक्रम एवं योजनाओं की जरूरत होगी। इस मामले में शाह के पास कोई सोच या नजरिया है, इसका कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है। बल्कि वे एक ऐसी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बतौर जीते हैं, जिसके नेता पर भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोप हैं कि जेन-जी विद्रोह के पहले तक वे जेल में थे। अपनी खराब छवि के कारण ही रवि लामिछाने ने शाह को पार्टी का चेहरा बनाया। ये दांव कामयाब रहा। लेकिन आगे का रास्ता कठिन है। आरएसपी की सरकार को मतदाताओं की ऊंची उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। बेरोजगारी, युवाओं के सामने अवसरहीनता, गरीबी और आम विकास की कसौटियों पर पिछड़ापन वे समस्याएं हैं, जिनका समाधान नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां नहीं ढूंढ पाईं। इसके लिए प्रयासरत होने के बजाय उनके नेता आलीशान जिंदगी जुटाने में लग गए। क्या आरएसपी उससे अलग संस्कृति और समाधान दे पाएगी, यह अब मुख्य प्रश्न है।

संवत 2083: परंपरा, खगोल और हमारी साझी विरासत का नया पड़ाव

दिलीप कुमार पाठक

समय का पहिया जब एक निश्चित बिंदु पर पहुँचता है, तो वह अपने साथ स्मृतियों और नई संभावनाओं का एक साझा कोलाज लेकर आता है। आज भारतीय काल-गणना का एक नया अध्याय यानी विक्रम संवत 2083 जुड़ गया है। इसे किसी विशेष श्रेष्ठता के भाव से देखने के बजाय, समय को मापने की एक प्राचीन और खगोलीय पद्धति की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का यह दिन केवल पंचांग के पन्ने पलटने का नाम नहीं है, बल्कि यह उस खगोलीय गणना का हिस्सा है, जो सूर्य और चंद्रमा की गति के आधार पर ऋतुओं के परिवर्तन को रेखांकित करती है। वसंत की विदाई और बढ़ती गर्मी के बीच प्रकृति में जो बदलाव दिखते हैं, वे इस बात का संकेत हैं कि जीवन का चक्र रुकता नहीं, बल्कि बदलता रहता है। पेड़ों पर आती नई कोपलें और रबी की पकती फसलें किसी महान उपलब्धि का प्रमाण नहीं, बल्कि एक सहज प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसे सदियों से मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है।इसी तिथि को जब इतिहास के पन्नों में ब्रह्मा की सृष्टि रचना या प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक जैसी मान्यताओं के साथ देखा जाता है, तो यह समाज की एक सामूहिक स्मृतिकथा का हिस्सा बन जाती है। यह महज एक संयोग नहीं है कि आज से ही चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी हो रही है, जो अगले नौ दिनों तक अनुशासन और संयम की एक साधना पद्धति को समाज के बीच रखती है। नवरात्रि का यह समय शक्ति की आराधना का वह पक्ष है जो पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक शुद्धि पर केंद्रित रहता है। इसे किसी धार्मिक कट्टरता के बजाय आत्म-मंथन और संयमित जीवनशैली की एक कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। कलश की स्थापना से लेकर माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा तक, यह पूरी प्रक्रिया एक व्यक्ति को उसके आंतरिक द्वंद्वों से लड़ने और धैर्य रखने की प्रेरणा देती है। भारत जैसे भौगोलिक रूप से विविध देश में इस एक ही दिन के कई सामाजिक रंग दिखाई

(19 मार्च चैत्र नवरात्रारंभ, नव संवत्सर)

देते हैं। महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा के रूप में एक विजय पताका के साथ मनाया जाता है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों में उगादि के रूप में इसे नववर्ष का प्रतीक माना जाता है। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि उत्सव मनाने के तरीके अलग हो सकते हैं, लेकिन उनके केंद्र में समय की एक ही खगोलीय घटना विद्यमान है। राजस्थान के लिए भी आज का दिन एक प्रशासनिक और सांस्कृतिक तालमेल का है, जहाँ स्थापना दिवस के आयोजन को इस पारंपरिक तिथि के साथ जोड़ा गया है। यह फैसला आधुनिक व्यवस्था और प्राचीन मान्यताओं के बीच एक संतुलन बिठाने की कोशिश मात्र है।

बदलते हुए दौर में जब तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, तब ऐसी परंपराओं का बने रहना समाज की निरंतरता को दर्शाता है। आज के दिन नीम की पत्तियों और गुड़ का सेवन करने की जो पुरानी रस्म है, वह जीवन के वास्तविक फलसफे को बड़ी सादगी से बयां करती है। यह हमें बताता है कि जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल, दोनों ही परिस्थितियाँ अनिवार्य हैं और उन्हें बिना विचलित हुए स्वीकार करना ही मनुष्यता है। त्योहारों का असली संदर्भ यही है कि वे लोगों को एक सामूहिक धरातल पर खड़ा करते हैं, जहाँ व्यक्तिगत पहचान के बजाय सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता मिलती है। आज जब शंख की ध्वनि सुनाई देती है या घरों के बाहर तोरण सजते हैं, तो वह समाज की उस साझा विरासत का प्रतीक है जो सदियों से बिना किसी बड़े बदलाव के चली आ रही है। संवत 2083 की यह पहली किरण हमें अपनी जड़ों को समझने और उन्हें बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने का अवसर देती है। भाषा, संस्कृति और त्यौहार किसी भी समाज के वे बुनियादी तत्व होते हैं जो उसे एक धागे में पिरोए रखते हैं। जब हम इन परंपराओं का पालन करते हैं, तो हम वास्तव में उस ज्ञान और उन अनुभवों के प्रति अपनी सहज स्वीकृति दे रहे होते हैं जो पीढ़ियों से हम तक पहुँचे हैं। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि समय के प्रवाह में वही समाज स्थिर रहता है जो अपनी पहचान को आधुनिकता के साथ संतुलित करना जानता है। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि समय का रथ अपनी गति से चलता रहेगा और हमारा कर्तव्य केवल इस प्रवाह में अपनी भूमिका को ईमानदारी से निभाना है। विक्रम संवत 2083 का यह नया साल समाज के हर वर्ग के लिए स्थिरता और शांति का मार्ग प्रशस्त करे, यही समय की मांग है। यह वर्ष केवल अंकों का एक नया समूह न बने, बल्कि आपसी सद्भाव और बौद्धिक विकास का एक वास्तविक माध्यम बनकर उभरे। समय की रेत पर अंकित ये पदचिह्न हमें अपने बीते हुए कल और भविष्य के बीच सेतु प्रदान करते हैं। यह एक सुखद इत्तेफाक है कि खगोल और आस्था आज एक ही धरातल पर मिलते हैं।

नित अभ्यास से दर्शन कर सकते हैं ईश्वर का

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरूद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें कोई चेतना नहीं होती है।असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस समय भगवान को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है।जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है। मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मृत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

सौरभ वार्ष्णेय

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ-साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरु से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर

में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थी—एक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु-आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत न केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुकत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही।

इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दर्शाता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है।

हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है। यह संदेश भी देता है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत अपने हितों की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं

हरिशंकर व्यास

इस पहेली को सुलझाया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने आठवीं क्लास के बच्चों को न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाने का फैसला किया तो शासन के बाकी अंगों या लोकतंत्र के बाकी स्तंभों के बारे में क्यों नहीं कुछ सोचा? क्या एनसीईआरटी की किताब तैयार करने वाली कमेटी की नजरों में लोकतंत्र के बाकी तीन स्तंभ पाक साफ हैं? उनके यहां भ्रष्टाचार नहीं है? कहीं ऐसा तो नहीं है कि पर्ची निकाल कर तय किया गया कि पहले न्यायपालिका का भ्रष्टाचार पढ़ाया जाएगा और उसके बाद बाकी स्तंभों के भ्रष्टाचार के बारे में बताया जाएगा? क्योंकि दुनिया भर में प्रेस फ्रीडम को लेकर काम करने वाली ज्यादातर संस्थाओं ने भारत में मीडिया कि रेटिंग काफी नीचे रखी है। भारत में मीडिया की विश्सनीयता भी बाकी संस्थाओं से कम है। सत्ता पक्ष के नेताओं ने सरकार पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल का टैग दे दिया तो दूसरी ओर विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने वालों को गोदी मीडिया या भक्त मीडिया का टैग दे दिया। इसका मतलब है कि किसी की नजर में मीडिया विश्वसनीय नहीं है। लेकिन एनसीईआरटी ने मीडिया में भ्रष्टाचार या कंप्रोमाइज को लेकर पाठ नहीं तैयार किया।

इसी तरह जिस दिन 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक अध्याय को लेकर विवाद शुरू हुआ उसी दिन अखबारों के पहले पन्ने पर ओडिशा के माइंस डिपार्टमेंट के एक डिप्टी डायरेक्टर के यहां विजिलेंस विभाग की कार्रवाई की खबर थी। खबर के साथ तस्वीरें भी थीं, जिसमें चारों तरफ नोट ही नोट दिखाई दे रहे थे। डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के यहां छापे में चार करोड़ रुपए नकद बरामद हुए। इसके अलावा जमीन और फ्लैट के कागजात और जेवर आदि अलग से बरामद हुए। ऐसा नहीं है कि यह कोई अपवाद वाली खबर थी। यह सबसे रूटीन की खबर है। किसी क्लर्क के यहां या किसी चपरासी के यहां छापे में लाखों, करोडों रुपए की जब्ती बहुत आम बात है। बड़े नौकरशाह तो अरबों के आसामी होते हैं। फिर भी नौकरशाही में भ्रष्टाचार का अध्याय नहीं जोड़ा गया। क्या एनसीईआरटी की नजर में अधिकारी भी पवित्र गाय हैं ?प्रेस और कार्यपालिका के अलावा लोकतंत्र का सबसे प्रमुख स्तंभ विधायिका है। देश में आठ सौ से कुछ कम सांसद और चार हजार से कुछ ज्यादा विधायक हैं। पिछले दिनों कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक पांच लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार हुए। देश की हर पार्टी के कुछ न कुछ नेता किसी न किसी मामले में आरोपी हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार में तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है, कि बहुत सी चीजों को बदलना नामुमकिन है।

वृष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब में कार्यरत लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे और जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे और कुछ पुरानी परिस्थितियों में बदलाव होने में समय लगेगा। आज किसी काम को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क राशि- आज आपका मन राजनीतिक और सामाजिक कार्यों की तरफ अधिक रहेगा। राजनितिक मामले में आज सुखद यात्रा के योग बन रहे हैं। रोजमर्रा के काम समय से पूरे होगें उनसे फायदा भी मिल सकता है। आपका नए वाहन का खरीदने का सपना आज पूरा होगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। काफी समय से चल रही बीमारी से आपको छुटकारा मिल सकता है।

कन्या राशि-आज का दिन जीवन में एक नई ऊर्जा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। परिवार के कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

तुला राशि- कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है , महत्वपूर्ण परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपसे मदद मांगेंगे। आपके सामाजिक योगदान संबंधी कार्यों के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रो को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगो को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज आप सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे भी आप पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। इस राशि के जो लोग फर्नीचर का व्यापार कर रहे है, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। परिवार में सभी आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आप किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं जहां आपको अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे साथी बड़ी डील फाइनल हो सकती है जिससे आपकी आर्थिक समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

कुंभ राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाइम करना पड़ेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे।

मीन राशि- आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेटस आज साथ में अधिक समय बितायेंगे और साथ ही डिनर प्लान कर सकते हैं। आज आपका रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा।

(विचार-मंथन) बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

- सनत जैन /

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर

विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया। वही सब पाप अब दोनों नेताओं के अस्तित्व को समाप्त करने जा रहे हैं। ईरान युद्ध में अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। सभी सहयोगियों ने डोनाल्ड ट्रंप का साथ छोड़ दिया है। नाटो और यूरोपीय देशों को डोनाल्ड ट्रंप धमका रहे हैं, लेकिन इसका अभी कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन और इटली ने युद्ध में कूदने से इनकार कर दिया है। सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचा हुआ है। यहां तक कि खाड़ी के देश जहां अमेरिका ने एक तरह से अपना कब्जा जमा लिया था वह भी अमेरिका के पक्ष में खड़े नहीं हो रहे हैं। दूसरी ओर ईरान के पक्ष में चीन, रूस, उत्तर कोरिया और अन्य कई देश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से खड़े होकर उसका समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथी भी अब उनका साथ छोड़कर भाग रहे हैं। रही सही कसर अमेरिका में तेजी से बढ़ रही महंगाई पूरी किए दे रही है। बिना कांग्रेस की अनुमति के उन्होंने अपनी जिद में युद्ध शुरू कर लिया था। अमेरिका पर भारी कर्ज है। पिछले 20 दिनों में युद्ध में आर्थिक और सामरिक दृष्टि से जो नुकसान हुआ है उसके कारण अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही ट्रंप से नाराज है। वहीं एपिस्टिन फाइल ने भी बची हुई कसर को पूरी कर दी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जनाक्रोष बढ़ता चला जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप जो ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता से अपदस्थ कराने की साजिश रच रहे थे अब वह सब अमेरिका में उनके साथ होता हुआ दिख रहा है। जो गड्ढा डोनाल्ड ट्रंप ईरान के सुप्रीमो के लिए खोद रहे थे अब वह गड्ढा उनके लिए तैयार हो गया है। जैसी करनी वैसी भरनी का सिद्धांत अब डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू पर लागू होता दिख रहा है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

गुरुवार 19 मार्च 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा वैश्विक टेलीकॉम शक्ति : केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज, बुधवार संसद में देश के टेलीकॉम सेक्टर में आई ऐतिहासिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दूरसंचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। साथ ही बीएसएनएल को लेकर एक प्रश्न पर उत्तर देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इसके निजीकरण का कोई प्रश्न नहीं उठता। यह संस्था जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। उन्होंने कहा कि जहां एक समय डेटा की औसत कीमत 290 रुपये हुआ करती थी, वह आज घटकर मात्र 8 रुपये रह गई है, जो लगभग 97 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। 5 प्रतिशत नेटवर्क आज देश के 99.9 प्रतिशत जिलों तक पहुंच चुका है और 120 करोड़ उपभोक्ताओं में से 40 करोड़ लोग 5 प्रतिशत सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के सबसे तेज 5 प्रतिशत विस्तारों में से एक है, जिसने भारत को डिजिटल क्रांति के अग्रणी देशों में खड़ा किया है। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि बीएसएनएल के निजीकरण का कोई मुद्दा नहीं है और यह पूरी तरह देश की जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 18 वर्षों बाद पहली बार बीएसएनएल ने 2024-25 में लगातार दो तिमाहियों में 280 करोड़ और 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। साथ ही बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या जून 2024 में 8.5 करोड़ से बढ़कर 9.27 करोड़ हो गई है। राजस्थान में बीटीएस अपटाइम भी 92 प्रतिशत से बढ़कर 97 प्रतिशत हो गया है, जो सेवा गुणवत्ता में सुधार का संकेत है। इसके अलावा एक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में केवल 42 प्रतिशत सीमावर्ती गांवों में टेलीकॉम सुविधा उपलब्ध थी, जो आज बढ़कर 98 प्रतिशत हो गई है। 17,600 में से 17,222 गांवों को कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में अपने पुराने नियमों में व्यापक बदलाव किए हैं, जिनमें सिग्नल फेड-आउट क्लॉज को समाप्त करना, डिस्टेंस प्रतिबंधों में ढील और राइट ऑफ वे नियमों को सरल बनाना शामिल है।

दिल्ली में भिखारियों पर कसी जाएगी नकेल

नई दिल्ली (ए)। राजधानी दिल्ली में भीख मांगने की बढ़ती समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस सक्रिय हो गई है। लोकसभा में जानकारी दी गई कि भीख मांगने वालों को हटाने के साथ-साथ उनके पुनर्वास पर भी जोर दिया जा रहा है। राजधानी दिल्ली के हर चौराहों, मार्केट या सड़क किनारे भिखारियों का नजर आना आम सी बात हो गई है। बड़ी तदाद में भीख मांगने वाले शहर के एक बड़ी समस्या बन गए हैं। लेकिन केंद्र सरकार इनको लेकर एक बड़ा प्लान लाने वाली है। केंद्र सरकार ने लोकसभा में जानकारी दी है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सड़कों और रेड लाइट पर भीख मांगने की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस लगातार सक्रिय कदम उठा रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सांसद वी. एस. मथेस्वरन द्वारा भिखारियों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि खासकर ट्रैफिक सिग्नल और प्रमुख चौराहों पर भिक्षावृत्ति रोकने के लिए कई स्तरों पर कार्रवाई की जा रही है। सरकार के मुताबिक, दिल्ली पुलिस समय-समय पर विशेष अभियान (स्पेशल ड्राइव) चलाकर ट्रैफिक सिग्नलों और जंक्शनों से भिखारियों को हटाती है।

अयोध्या से आई पवित्र ज्योति का भव्य स्वागत,पृथ्वीनाथ मंदिर में हुई स्थापना

देहरादून, (आरएनएस)। आगामी श्री बालाजी जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में अयोध्या स्थित राम लला मंदिर से लाई गई पवित्र अखंड ज्योति मंगलवार को देहरादून पहुंची। जहां श्रद्धालुओं ने इसका भव्य स्वागत किया। यह ज्योति श्री पृथ्वीनाथ मंदिर में विधिवत स्थापित की गई। कार्यक्रम परम पूज्य रवींद्र पुरी जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। यह पवित्र ज्योति लगभग 25 घंटे की यात्रा के बाद देहरादून पहुंची। निर्धारित समय से करीब तीन घंटे देरी से पहुंचने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।सबसे पहले ज्योति को गांधी रोड स्थित अग्रवाल धर्मशाला में दर्शन के लिए रखा गया, जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद सजी-धजी वाहन में ज्योति को विराजमान कर ढोल-नगाड़ों, ध्वज और भजन-कीर्तन के साथ शोभायात्रा निकाली गई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर जय श्री राम के जयघोष लगाए।शोभायात्रा गांधी रोड, आढ़त बाजार और सहारनपुर चौक से होते हुए श्री पृथ्वीनाथ मंदिर पहुंची, जहां आचार्य भारत भूषण भट्ट ने विधि-विधान से पूजन एवं सामूहिक आरती कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा शीतल पेय, आइसक्रीम आदि का वितरण किया गया और भव्य आतिशबाजी ने माहौल को और उत्साहपूर्ण बना दिया।

ग्रैविटी के नियमों को चुनौती देता है देश के इस हिस्से में स्थित 'मैग्नेटिक हिल', अपने आप चलती है गाड़ियां

नई दिल्ली (ए.)। भारत एक बेहद खूबसूरत और रहस्यों से भरा देश है। यहां की प्राकृतिक संपदा इतनी विविध है कि हर कोना कुछ न कुछ अनोखा पेश करता है। लद्दाख की ऊंची-ऊंची बर्फीली चोटियां, नीला आसमान और रहस्यमयी जगहें इसे और भी खास बनाती हैं। ऐसी ही एक जगह है मैग्नेटिक हिल, जो गुरुत्वाकर्षण के नियमों को चुनौती देती है।लेह शहर से लगभग 30 किलोमीटर दूर लेह-कारगिल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह पहाड़ी स्थित है। यहां पर्यटक एक अनोखा अनुभव लेते हैं, यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और वे आनंद उठाने के लिए अपनी गाड़ी को न्यूट्रल गियर में डालकर ब्रेक छोड़ते ही गाड़ी बिना किसी इंजन की मदद के ऊपर की ओर चलने लगती है। ऐसा लगता है जैसे कोई अदृश्य शक्ति गाड़ी को खींच रही हो। मैग्नेटिक हिल के पूर्व में बहती सिंधु नदी इस स्थान की खूबसूरती को और बढ़ा देती है।

दिल्ली अग्निकांड में 9 की मौत, पीएम मोदी ने किया 2 लाख के मुआवजे का ऐलान

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पालम आवासीय भवन में लगी आग में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के पालम में हुई आग की घटना बेहद दुखद है। मैं अपनों को खोने वालों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इस बीच, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों से पीड़ितों की मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पालम में आग लगने से कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। मैं कांग्रेस पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील करती हूं कि वे पीड़ितों की यथासंभव मदद करें। तड़के पालम के साध नगर इलाके में एक रिहायशी इमारत में कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। दिल्ली दमकल सेवा, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस और अन्य एजेंसियां राहत कार्य में लगी हुई हैं। दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है, जबकि अब तक तीन लोग घायल हुए हैं। मृतकों में से आठ, प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) और तीन नाबालिग लड़कियां (उम्र 15, 6 और 3 वर्ष) शामिल हैं, जिन्हें मणिपाल अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

अब फ्लाइट में 60 प्रतिशत सीटों पर नहीं देना होगा चार्ज, केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एयरलाइंस को सीट आवंटन प्रक्रिया को अधिक यात्री-अनुकूल बनाना होगा, जिसमें एक ही पीएनआर (PNR) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को यथासंभव साथ या नजदीकी सीटों पर बैठाने की व्यवस्था की जाए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा जारी इन निर्देशों में यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने और सभी एयरलाइंस में एक समान व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। हालांकि, कम से कम 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने जैसी कोई बाध्यता स्पष्ट रूप से लागू नियम के रूप में नहीं बताई गई है; सीट आवंटन को पारदर्शी

और उचित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, खेल उपकरण और वाद्य यंत्र ले जाने की सुविधा सुरक्षा और परिचालन नियमों के तहत पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, एयरलाइंस को पालतू जानवरों के परिवहन के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक नीतियां जारी करनी होंगी। अन्य प्रमुख निर्देशों में उड़ान में देरी, रद्द होने या बोर्डिंग से वंचित किए जाने की स्थिति में यात्रियों के अधिकारों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है। एयरलाइंस को अपनी वेबसाइट, मोबाइल ऐप, बुकिंग प्लेटफॉर्म और एयरपोर्ट काउंटरों पर यात्रियों के अधिकारों की जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। इसके अलावा, यह जानकारी क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता पहुंच सके। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन चुका है। UDAN योजना के तहत हवाई यात्रा को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के प्रयास जारी हैं।

कमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर सरकार का बड़ा फैसला, अब कारोबारियों की होगी चांदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंटर-मिनिस्ट्रियल ब्रीफिंग में देश की ऊर्जा आपूर्ति और रसोई गैस (LPG) वितरण को लेकर सरकार ने कई अहम और बड़े ऐलान किए हैं। घरेलू एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति बिना किसी कटौती के लगातार जारी रखने का भरोसा दिलाते हुए, सरकार ने भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में कमर्शियल गैस सिलेंडर पर अब सभी राज्यों को 10 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी कोटा देने का फैसला किया गया है। सरकार के इस कदम से छोटे व्यापारियों और रेस्टोरेंट मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अक्सर मांग बढ़ने या त्योहारों के सीजन में गैस की किल्लत का सामना करना पड़ता था।

घरेलू गैस उत्पादन में बंपर उछाल

सरकार के लिए एक बड़ी राहत की खबर यह है कि देश के भीतर घरेलू एलपीजी उत्पादन में 40 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि वैश्विक और घरेलू स्तर पर एलपीजी की मौजूदा स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। इसी संकट को देखते हुए सरकार ने आम नागरिकों से एक विशेष और अहम अपील की है। सरकार ने कहा है कि जिन इलाकों में पीएनजी (PNG) पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है, वहां के लोग एलपीजी सिलेंडर का मोह छोड़कर तुरंत पीएनजी कनेक्शन अपनाएं। इससे गैस वितरण का दबाव काफी हद तक कम होगा और यह गैस सिलेंडर के मुकाबले अधिक सुरक्षित और सुलभ भी है।

कालाबाजारी रोकने के लिए 2300 आउटलेट्स पर छापेमारी

गैस वितरण प्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता बनाए रखने और कालाबाजारी पर नकेल कसने के लिए सरकार अब सख्त एक्शन मोड में आ गई है। इसी के तहत देशभर के 2300 एलपीजी रिटेल आउटलेट्स पर अचानक सरप्राइज चेकिंग और छापेमारी की गई। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोग गैस की कमी को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों पर बिल्कुल ध्यान न दें। डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देते हुए ब्रीफिंग में बताया गया कि आज कुल एलपीजी बुकिंग का 93 फीसदी हिस्सा ऑनलाइन माध्यम से ही पूरा हुआ है। लोगों से खास अपील की गई है कि वे एलपीजी एजेंसी पर बेवजह भीड़ लगाने के बजाय आधिकारिक पोर्टल या ऐप के जरिए ही अपनी गैस बुक करें।

भारतीय रेलः आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं के साथ आम आदमी के सफर को मिल रहे नए आयाम

कोटा (ए.)। भारतीय रेलवे तेज़ी से आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, जिसे 2026-27 के केंद्रीय बजट में 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड आवंटन से मजबूती मिली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेल बजट के आम बजट में विलय से बजटीय सहायता में वृद्धि, निर्णय प्रक्रिया में तेजी और बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

ऐतिहासिक बजटीय आवंटन और रेलवे की मजबूत वित्तीय स्थिति

रेलवे के प्रमुख व्यय मदों में 1.19 लाख करोड़ कार्मिक, 64,000 करोड़ पेंशन, 32,000 करोड़ ऊर्जा तथा 23,000 करोड़ वित्त लागत शामिल हैं। इसके बावजूद रेलवे सकारात्मक संतुलन बनाए हुए है। विद्युतीकरण से लगभग 6,000 करोड़ की बचत हुई है और डीजल पर निर्भरता कम हो रही है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और क्षमता में वृद्धि

माल ढुलाई 1,055 मिलियन टन से बढ़कर 1,650 मिलियन टन हो गई है। पिछले दशक में 35,000 किमी नई पटरियां बिछाई गईं और विद्युतीकरण 47,000 किमी तक पहुंचा। आरओबी/आरयूबी 4,000 से बढ़कर 14,000 तथा ऑटोमैटिक सिग्नलिंग 4,000 किमी से अधिक हो गई है। लगभग 48,000 एलएचबी कोच जोड़े गए हैं।

परिचालन दक्षता और रेल नेटवर्क में वृद्धि

भारतीय रेलवे प्रतिदिन लगभग 25,571 ट्रेनों का संचालन कर रही है। कुल नेटवर्क 1,37,522 रूट किमी तक पहुंच चुका है। रेलवे के पास 3.86 लाख वैगन और करीब 98,000 कोच उपलब्ध हैं।

सुरक्षा व्यवस्था में सुधार

रेल दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। सुरक्षा कार्यों के लिए 1.2 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं। 'कवच' प्रणाली 3,000 किमी पर लागू है तथा 20,000 किमी पर कार्य जारी है, जबकि 8,000 इंजनों में इसे लगाने की योजना है।

रामगंज मंडी-भोपाल रेल लाइन को मिली रफ्तार, खिलचीपुर-राजगढ़ सिटी खंड का सफल सीआरएस निरीक्षण

कोटा (ए.)। राजस्थान और मध्यप्रदेश को सीधे रेल संपर्क से जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित रामगंज मंडी-भोपाल नई रेल लाइन परियोजना ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। रेल संरक्षा आयुक्त, मध्य परिमंडल श्री गुरु प्रकाश द्वारा कोटा मंडल के अंतर्गत आने वाले खिलचीपुर-राजगढ़ सिटी (17.8 किमी) खंड का विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया गया। इस दौरान 130 किमी प्रतिघंटा की अधिकतम गति से सफल स्पीड ट्रायल भी सम्पन्न हुआ, जो इस खंड पर यात्री सेवा शुरू होने की दिशा में एक निर्णायक प्रगति है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि 276 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना में रामगंज मंडी से ब्यावरा तक लगभग 165 किलोमीटर का भाग कोटा मंडल के अंतर्गत आता है। मंडल द्वारा निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाते हुए रामगंज मंडी से खिलचीपुर तक ट्रैक बिछाने सहित अधिकांश अवसंरचना कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इससे पूर्व फरवरी 2025 में नयागाँवपुरा कुमार-खिलचीपुर तथा जुलाई 2025 में जरखेड़ा-शामपुर खंड का सफल सीआरएस निरीक्षण सम्पन्न हो चुका है। वर्तमान निरीक्षण इस परियोजना को यात्री सेवा के और करीब ले जाने वाला अहम पड़ाव सिद्ध हुआ है। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने ट्रैक की गुणवत्ता, स्थिरता एवं सीधी-रेखीयता की सूक्ष्म जाँच की। इसके साथ ही पुलों, लेवल क्रॉसिंग, अंडरपास, सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणालियों की कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया। खिलचीपुर एवं राजगढ़ सिटी स्टेशन यार्ड का विधिवत निरीक्षण करते हुए मोटर ट्रॉली द्वारा ट्रैक का विस्तृत परीक्षण भी किया गया। यह नई रेल लाइन कोटा, झालावाड़, राजगढ़, सीहोर और भोपाल सहित पाँच जिलों को सीधे रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। वर्तमान में भोपाल-कोटा के बीच रेल यात्रा नागदा-उज्जैन अथवा

130 किमी/घंटा स्पीड ट्रायल सफल

बीना मार्ग से होती है, जिससे दूरी और समय दोनों अधिक लगते हैं। नई लाइन के प्रारंभ होने पर दूरी में लगभग 100 किलोमीटर की कमी आएगी और यात्रा समय में 2 से 3 घंटे की बचत होगी। साथ ही झालावाड़ स्थित कालीसिंध थर्मल पावर प्लांट तक कोयला परिवहन मार्ग भी लगभग 42 किलोमीटर छोटा हो जाएगा, जिससे माल ढुलाई लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी। इस परियोजना के पूर्ण होने से हाड़ौती क्षेत्र के कोटा, झालावाड़ एवं रामगंज मंडी के यात्रियों को भोपाल एवं मालवा क्षेत्र के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी। रामगंज मंडी, झालरापाटन, असनावर, अकलेरा, घाटोली, भोजपुर एवं खिलचीपुर जैसे स्टेशनों से गुजरने वाली यह लाइन ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों के लाखों लोगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी, जिससे रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा एवं व्यापार के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा।

पंचकोसी वारुणी यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

उत्तरकाशी,(आरएनएस)। पंचकोसी वारुणी यात्रा में मंगलवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। वरुणा नदी में स्नान के साथ शुरू होने वाली यात्रा वरुणावत पर्वत के ऊपर से गुजरते हुए गंगा और भागीरथी के संगम पर पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुई। वरुणावत पर्वत की पैदल 15 किमी परिक्रमा वाली यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं शामिल हुए। पंचकोसी वारुणी नाम से हर वर्ष होने वाली इस यात्रा का बड़ा धार्मिक महत्व माना जाता है। कहा जाता है कियात्रा को पूर्ण करने वाले व्यक्ति को 33 कोटी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ मिलता है। मंगलवार सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं के जत्थे वारुणी यात्रा पर निकलने शुरू हो गए थे। करीब 15 किमी लंबी पैदल यात्रा की शुरुआत श्रद्धालुओं ने बड़ेथी संगम के निकट स्थित वरुणेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद बसुंगा गांव में अखंडेश्वर, साल्ड में जगरनाथ व अष्टभुजा दुर्गा माता, ज्ञाणजा में ज्ञानेश्वर एवं व्यास कुंड, वरुणावत शीर्ष पर शिखरेश्वर व विमलेश्वर महादेव, संग्राली में कंडार देवता, पाटा में नर्वदेश्वर मंदिर में जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। वरुणावत पर्वत से उतरकर श्रद्धालुओं ने गंगोरी में असी गंगा व भागीरथी के संगम पर स्नान के बाद नगर के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। ग्रामीणों ने की विशेष आवभागत: वारुणी यात्रा पथ पडने वाले बसूंगा, साल्ड, ज्ञाणजा, संग्राली, पाटा, गंगोरी एवं लक्षेश्वर में ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं की खूब आवभाग की। श्रद्धालुओं को चौलाई के लड्डू आलू के गुटके, चाय, बरांश का जूस आदि जलपान कराया। साथ ही ग्रामीणों ने इस यात्रा को शासन व प्रशसन से राजकीय धार्मिक यात्रा घोषित करने की मांग की। ताकी आने वाले समय में यहा यात्रा और भव्य रूप ले सके। आचार्य दिवाकर नैथानी ने बताया कि स्कंद पुराण के केदारखंड के अनुसार वरुणावत पर्वत की पैदल परिक्रमा वाली वारुणी यात्रा सच्चे मन से करने पर श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। तथा हजारों तीर्थों की यात्रा का पुण्य लाभ मिलता है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान लोकसभा में बोलते हुए।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार का तक...ईडी को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली,(ए.)। बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर रेड मामले में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने सवाल खड़े किए हैं। ईडी की याचिका में दावा किया गया है कि रेड के वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आला पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और छापेमारी में बाधा डालकर सबूत नष्ट किए। याचिका में रेड में बाधा डालने और सबूत नष्ट करने पर ममता और सीनियर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की गई है। इस याचिका पर बुधवार को बंगाल सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं कर सकती है, यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए है और ईडी कोई व्यक्ति नहीं है इसलिए उसके मौलिक अधिकार नहीं हो सकते। वकील दीवान ने कहा कि क्या ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर सकती है, यह एक संवैधानिक प्रश्न है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 145 के तहत इसतरह के मामलों की सुनवाई करीब 5 जजों की बेंच में होनी चाहिए। इस पर ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बंगाल सरकार खुद आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटीशन दाखिल कर चुकी है और केरल सरकार भी ऐसा कर चुकी है। इन्होंने राज्य के तौर पर याचिका दाखिल की थी। बात दें कि इस मामले में ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी 2026 को कोयला घोटाले से जुड़े मामले में जब वे आई-पैक के दफ्तर में छापेमारी कर रहे थे, तब ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया, सबूतों को गायब किया और उनके काम में बाधा डाली।

समीरा रेड्डी ने किया सिलेंडर का 'वीआईपी स्वागत'

मुंबई (ए.)। अमेरिका, इजराइल-इरान वार को लेकर एलपीजी संकट को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री समीरा रेडडी का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया है। दरअसल अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें घरेलू गैस सिलेंडर का स्वागत किसी वीआईपी मेहमान की तरह किया जा रहा है। वीडियो में सिलेंडर के लिए रेड कार्पेट बिछाया गया है और उसे ताज पहनाकर सम्मानित किया जाता दिखाया गया है। अभिनेत्री खुद भी सिलेंडर की आवभगत करते हुए उसे चाय पेश करती हैं और गुलाब का फूल देकर स्वागत करती नजर आती हैं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में देश में एलपीजी सिलेंडर को लेकर बनी स्थिति पर व्यंग्य किया है। वीडियो देखकर यह भी साफ होता है कि अभिनेत्री के घर में भी लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडर का इंतजार किया जा रहा था और आखिरकार जब सिलेंडर पहुंचा तो उसे खास अंदाज में सेलिब्रेट किया गया।

समीरा रेड्डी का यह वीडियो सोशल मीडिया यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है और लोग इस पर मजेदार प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं।

धुरंधर-2 के ट्रेलर व गानों ने मचाया सोशल मीडिया पर धमाल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक आदित्य धर की धुरंधर-2 फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके ट्रेलर व गानों ने पहले ही सोशल मीडिया पर अच्छा खासा बज बना दिया है। पिछले साल रिलीज हुई इस फिल्म में अक्षय खन्ना, रनवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे सितारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी और एक्शन के साथ-साथ इसके गाने भी काफी चर्चा में रहे थे। खास बात यह रही कि फिल्म में कई पुराने लोकप्रिय गीतों को नए अंदाज में पेश किया गया था। हाल के वर्षों में बॉलीवुड में क्लासिक गानों को रीमिक्स और रीमेक के रूप में पेश करने का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है, और 'धुरंधर' ने भी इसी फॉर्मूले को अपनाया था। फिल्म का टाइटल ट्रैक भी काफी लोकप्रिय हुआ था, जिसमें पंजाबी लोक संगीत और मॉडर्न हिप-हॉप का अनोखा मिश्रण सुनने को मिला। यह गाना फिल्म के प्रमोशन का अहम हिस्सा बना था। फिल्म में कुल छह गाने शामिल थे, लेकिन अलग-अलग वर्जन और रीमिक्स के कारण दर्शकों को कुल 11 म्यूजिक ट्रैक सुनने को मिले, जिनमें कई क्लासिक गीतों का नया रूप देखने को मिला।

इनमें सबसे ज्यादा चर्चा पुराने मशहूर गाने 'हवा हवा' के रीमेक की हुई। करीब 40 साल पुराने इस गीत को फिल्म में ईडीएम म्यूजिक और कैची बीट्स के साथ नए अंदाज में पेश किया गया था, जिसे युवा दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस गाने का मूल संस्करण साल 1987 में रिलीज हुआ था और इसे पाकिस्तानी पॉप सिंगर हसन जहांगीर ने गाया था। हाल ही में एक पाकिस्तानी टीवी शो में बातचीत के दौरान हसन जहांगीर ने बताया कि 'धुरंधर' के मेकर्स ने गाने के इस्तेमाल के लिए उनसे अनुमति ली थी और इसके बदले उन्हें 50 हजार डॉलर, यानी लगभग 46 लाख रुपये दिए गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि पहले के समय में कॉपीराइट को लेकर इतना सख्त सिस्टम नहीं था और कई बार गानों का इस्तेमाल बिना भुगतान के ही कर लिया जाता था, लेकिन अब कलाकारों को उनके काम का उचित भुगतान मिलने लगा है।

फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की बात करें तो करीब 300 से 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'धुरंधर' ने दुनियाभर में लगभग 1300 करोड़ रुपये की कमाई की थी। दिलचस्प बात यह रही कि फिल्म को पाकिस्तान में रिलीज नहीं किया गया था, लेकिन जब यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफलीक्स पर आई तो वहां भी टॉप-10 में ट्रेंड करने लगी और पाकिस्तानी दर्शकों ने भी इसे काफी पसंद किया। अब इसके दूसरे भाग से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

एटली का फिल्म बनाने का तरीका काफी प्रभावशाली : विजय

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता विजय सेतुपति ने एटली के निर्देशन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें फिल्म बनाने का उनका तरीका काफी प्रभावशाली लगता है। उन्होंने बताया कि एटली को अच्छी तरह पता होता है कि किसी सीन या शॉट को किस तरह प्रस्तुत करना है और किस जगह उसे खास बनाना है। सेतुपति के अनुसार, निर्देशक अपने हर सीन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त रहते हैं और यही आत्मविश्वास उनके काम को अलग बनाता है। विजय सेतुपति ने कहा कि उन्हें एटली के साथ काम करना इसलिए भी अच्छा लगा क्योंकि वह अपने विजन को लेकर स्पष्ट रहते हैं और कलाकारों को भी उसी दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके मुताबिक, एटली की यही खासियत उनके साथ काम करने के अनुभव को खास बनाती है। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म करने के पीछे एक और बड़ी वजह शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका था। उन्होंने कहा कि शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए एक खास अनुभव था और इसी कारण उन्होंने इस फिल्म के लिए हामी भरी। विजय सेतुपति के अनुसार, शाहरुख खान के साथ काम करना उनके करियर के यादगार अनुभवों में से एक रहा। फिल्म 'जवान' ने रिलीज के बाद दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई। फिल्म की कहानी, एक्शन सीक्वेंस और कलाकारों के दमदार अभिनय ने इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता दिलाई थी। बता दें कि साल 2023 में रिलीज हुई यह एक्शन एंटरटेनर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी और उस वर्ष की सबसे सफल फिल्मों में शामिल रही थी।

'हेट स्टोरी 3' के बाद जरीन की अभिनय क्षमता पर उठाए थे सवाल

मुंबई (ए.)। हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान ने कई खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया

कि फिल्म हेट स्टोरी 3 के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी आलोचना सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म में किए गए बोल्ड सीन के कारण कई लोगों ने उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। ज़रीन खान ने अपने करियर की शुरुआत वीर से की थी, जिसमें उनके साथ सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद वह हाउसफुल 2 और बाद में हेट स्टोरी 3 जैसी फिल्मों में नजर आईं। 'हेट स्टोरी 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्हें इंडस्ट्री में आलोचना का सामना करना पड़ा। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान ज़रीन ने बताया कि फिल्म के बोल्ड सीन को लेकर कई लोगों ने उनके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां कीं। उनका कहना था कि कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि वह अभिनय नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्हें इस तरह के सीन करने पड़े।

अभिनेत्री के मुताबिक, इस तरह की बातों से उन्हें काफी बुरा लगा और फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिला। फिल्म की सफलता के बाद ज़रीन को अक्सर 2 के लिए अप्रोच किया गया, जो 2006 में आई फिल्म अक्सर का सीक्वल थी।

'सच्ची लगी कहानी', 'कपूर एंड संस' के 10 साल पूरे; सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बताया स्क्रिप्ट पढ़कर कैसा था रिएक्शन

सिद्धार्थ मल्होत्रा, आलिया भट्ट और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान स्टारर 'कपूर एंड संस' की रिलीज को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। 2016 में रिलीज हुई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अब फिल्म के 10 साल पूरे होने पर अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इसको लेकर बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार को लेकर भी बात की।

स्क्रिप्ट पढ़कर भावुक हो गए थे सिद्धार्थ

हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 'कपूर एंड संस' को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि ने कहा कि जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मुझे याद है कि उसे पढ़ते हुए मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। यह इतनी सच्ची लगी, मानो मैं एक जोशीले लेकिन अव्यवस्थित पंजाबी परिवार में कदम रख रहा हूं, जहां हर किरदार की अपनी एक कहानी है।

खास था अर्जुन का किरदार

फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अर्जुन का किरदार निभाना खास था। वह बहुआयामी, संवेदनशील और अपने अंदर बहुत कुछ समेटे हुए था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे उनका इस किरदार और कहानी के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव विकसित हुआ।

सिद्धार्थ ने कहा कि 10 साल बाद भी लोग फिल्म और पारिवारिक संबंधों के बारे में बात करते हैं। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने खुद इन किरदारों के साथ जीवन बिताया हो। इस तरह का प्यार दुर्लभ है और मैं आभारी हूं कि हमें उस कहानी को पर्दे पर उतारने का मौका मिला।

शकुन बत्रा ने किया है निर्देशन

शकुन बत्रा द्वारा निर्देशित 'कपूर एंड संस' पारिवारिक रिश्तों और पीढ़ियों के बीच के संबंधों के बारे में बात करती है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अलावा ऋषि कपूर, फवाद खान, आलिया भट्ट, रत्ना पाठक शाह और रजत कपूर सरीखे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

तमन्ना के साथ इस फिल्म में नजर आएंगे सिद्धार्थ

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धार्थ मल्होत्रा को आखिरी बार जाह्नवी कपूर के साथ पिछले साल आई फिल्म 'परम सुंदरी' में देखा गया था। अब वो तमन्ना भाटिया के साथ 'वीवीएएन' नाम की एक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

जगद्धात्री में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, सोनाक्षी बत्रा ने बताया शूटिंग का अनुभव

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो जगद्धात्री में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया। इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।

इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो। सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली।उन्होंने आगे कहा, इस सीन के दौरान मैं खुद भी काफी सतर्क थी, क्योंकि मेरे साथ एक बच्ची थी और उसकी सुरक्षा मेरे लिए पहली जिम्मेदारी थी।

अपना ही गाना डिलीट होने पर नोरा ने कहा थैंक्स? बोलीं- 'पता था चरित्र पर सवाल उठेंगे'; बताया किसे खोने का है गम

नोरा फतेही के गाने 'सरके चुनर' को लेकर विवाद लगातार जारी है। अब ये मुद्दा देश की संसद लोकसभा में भी उठ चुका है। वहीं केंद्र सरकार ने गाने पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके हिंदी वर्जन को यूट्यूब से भी हटवा दिया है। अब इस पूरे विवाद पर नोरा फतेही ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

नोरा ने साफ तौर पर इस पूरे विवाद से खुद को अलग करते हुए कहा कि उन्होंने ये गाना तीन साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया था। यही नहीं नोरा ने फिल्म 'केडी' के मेकर्स पर आरोप लगाते हुए कहा कि गाने को हिंदी में ट्रांसलेट करने से पहले या इसको हिंदी में रिलीज करने से पहले उनसे किसी भी तरह की कोई बात नहीं की गई। उन्हें इसकी कोई जानकारी तक नहीं थी। जानिए नोरा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर क्या कुछ कहा?

नोरा ने कन्नड़ भाषा में शूट किया था गाना

नोरा फतेही ने 'सरके चुनर' गाने पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक लंबा वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में उन्होंने क्रमवार गाने से जुड़े विवाद पर अपनी बात रखी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि उनका इस गाने के हिंदी वर्जन से कोई लेना-देना नहीं है। अपने वीडियो में नोरा ने सबसे पहले कहा कि पहली बात कि मैंने इस गाने को तीन साल पहले कन्नड़ में शूट किया था।

तब मैंने इसे इसलिए शूट किया था क्योंकि संजय दत्त इसका हिस्सा थे। जो भी विवाद है वो गाने के हिंदी वर्जन को लेकर है। मेकर्स ने न तो इसके लिए मुझसे परमिशन ली और न ही मैंने इन लिरिक्स पर डांस शूट किया था।

राजस्व मंत्री ने इछावर में 03 करोड़ 40 रुपये लागत के लाइब्रेरी एवं सांस्कृतिक भवन निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना का निरंतर विकास कर रही है सरकार - राजस्व मंत्री

सीहोर (निप्र)। राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा ने इछावर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस शासकीय स्नातक कॉलेज में लाइब्रेरी एवं सांस्कृतिक भवन के 03 करोड़ 40 लाख रूपये लागत के निर्माण कार्य भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना का निरंतर विकास कर रही है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त लाइब्रेरी एवं सांस्कृतिक भवन बनने से विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन का वातावरण मिलेगा और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए मंच भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की उद्देश्य है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इस भवन के निर्माण से न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी सुनिश्चित होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

भागवत कथा के अंतिम दिवस महाप्रसादी का किया वितरण

सीहोर (निप्र)। शुकदेव जी परीक्षित को संसार की नश्वरता समझाते हैं और अंत समय में कृष्ण-भक्ति में लीन होने का उपदेश देते हैं। श्रीकृष्ण की लीलाओं का सार, भक्तियोग का महत्व और स्वधाम गमन का वर्णन के साथ राजा परीक्षित का मोक्ष इस बात का प्रतीक है कि ज्ञान और भक्ति के माध्यम से मृत्यु के भय को जीतकर मोक्ष पाया जा सकता है। उक्त विचार जायसवाल परिवार के औंकार प्रसाद जायसवाल एवं समस्त सनातन प्रेमी भक्तजन तत्वाधान में शहर के महिला घाट गंगेश्वर महादेव शनि मंदिर परिसर नदी चौराहे पर सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा में ब्रह्मलीन श्री त्यागी महाराज के शिष्य महंत उद्धव दास महाराज ने कहे।महाराज ने अंतिम दिन श्रीकृष्ण के स्वधाम गमन और राजा परीक्षित की मोक्ष प्राप्ति की कथा सुनाई। भगवान श्रीकृष्ण के गोलोक धाम जाने के बाद पृथ्वी पर कलियुग का वास हुआ। गंगा किनारे बैठे राजा परीक्षित को तक्षक नाग ने डस लिया। राजा ने सात दिन श्रीमद् भागवत कथा सुनकर मोक्ष प्राप्त किया। श्रीमद् भागवत कथा कल्पवृक्ष के समान है। इसके श्रवण से व्यक्ति का भाग्य जागता है और उसकी इच्छाएं पूरी होती हैं।

अग्रवाल महिला मंडल और महेश्वरी मंडल द्वारा आज जगदीश मंदिर तारा अग्रवाल द्वारा गणगौर का स्वागत किया

सीहोर (निप्र)। सीहोर में परंपरा अनुसार गणगौर पर्व मनाया जा रहा है जिसमे आज गणगौर का स्वागत हेमा अग्रवाल जी के घर पर किया गया साथ ही अग्रवाल समाज की नहिलाओं की गोट जा आयोजन भी हुआ जिसमे गेम्स प्रतियोगिता सोलह श्रृंगार और रैंप वाक पर इतराती इठलाती बहू बेटियों ने भाग लिया

गणगौर में महिलाओं ने पहले पारस्परिक गीत गाये और बाद में ईशर गौरा को झाले दिए जिसमे महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ गणगौर पर्व को बनाया इस पर्व में सभी सोलह श्रृंगार करके महिलाए अपने घर से निकलती है अग्रवाल पंचायती भवन से गणगौर लेकर सभी ढोल ढमाके के साथ गणगौर लेकर बाघ बगीची अग्रवाल के कल गणगौर तारा अग्रवाल जी द्वारा स्वागत किया जाएगा जिसका आयोजन जगदीश मंदिर सब्जी मंडी पर रखा गया है अध्यक्ष अग्रवाल महिला मंडल रुक्मणी जी रोहिला प्रेमलता रूठिया तारा अग्रवाल मोहिनी अग्रवाल हेमा अग्रवाल मालती अग्रवाल संध्या मोदी मंजू भारतीय ज्योति रूठिया मधु गोयल ममता पितलिया सभी ने उस पर्व को मनाने की कामना की है 19 तारीक को सिंजरा रहेगा जो की गांधी पार्क जाएगा उस दिन गणगौर स्वर्णकार समाज के द्वारा गाजे बाजे से गणगौर निकाली जाएगी।

आज से मरीह माता मंदिर में दी जाएगी आहुतियां, आगामी महाष्टमी को रात्रि बारह बजे महा आरती का आयोजन

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के विश्रामघाट स्थित मरीह माता मंदिर में आस्था और उत्साह के साथ पर्व जाएगा। इस मंदिर में गुप्त नवरात्रि के अलावा चैत्र और शरदीय सभी नवरात्रि को विशेष हवन पूजन का आयोजन किया जाता है। उक्त आयोजन मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, संस्कार मंच के संयोजक जितेन्द्र तिवारी, मनोज दीक्षित मामा, पंडित उमेश दुबे, ज्योतिषाचार्य पंडित गणेश शर्मा सहित अन्य के द्वारा किया जाएगा। यहां पर सुबह हवन-पूजन के अलावा नौ दिन मां का अलग-अलग स्वरूपों में सुंदर श्रृंगार किया जाएगा। इसके अलावा परम्परा अनुसार इस वर्ष भी महाष्टमी की रात्रि बारह बजे निशा आरती और उसके पश्चात नवमी पर भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर के व्यवस्थापक श्री मेवाड़ा ने बताया कि प्राचीन मरीह माता मंदिर में सुबह साढ़े सात बजे हवन का शुभारंभ किया जाएगा। हवन सामग्री में कई प्रकार की जड़ी-बूटियों के मिश्रण के अलावा पीपल की लकड़ी, गो काष्ठ सहित अन्य का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चेत्र नवरात्रि पर सुबह विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। इस मौके पर सुबह ग्यारह बजे भागवत कथा वाचक शिवम मिश्रा के द्वारा माता की पूजा अर्चना की जाएगी।

बीएसआई मैदान पर नगर सेठ स्व. श्री गेंदालाल राय स्मृति लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता

आज खेला जाएगा जलगांव और पीपीसीए जूनियर के मध्य मैच

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर नगर सेठ स्व. श्री गेंदालाल राय स्मृति लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत खेले गए एक तरफा मुकाबले में पल्स ने पीपीसीए क्रिकेट अकादमी को 34 रन के अंतर से हराया। इस मैच के दौरान पल्स की ओर से बलराम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 16 रन देकर पांच विकेट और जतिन ने 30 गेंद पर 46 रन की विस्फोटक पारी खेली।

आयोजन समिति की ओर से अतुल त्रिवेदी ने बताया कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी पल्स की टीम 19 ओवर में 138 रन ही बना सकी। इसमें जतिन ने 46 रन, बलराम ने 35 रन और मयंक ठाकुर ने 14 रन बनाए थे। वहीं पीपीसीए की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनुज पटेल, सचिन वर्मा, निर्भय प्रजापति, आदित्य अग्रवाल ने दो-दो विकेट के अलावा विपिन वर्मा ने एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पीपीसीए अकादमी की टीम 16.3 ओवर में सिमट गई। इसमें हितेश ने 22 रन, आदित्य अग्रवाल ने 28 रन, दीपेश ने 12 रन, स्पनिल भारिया ने 11 रन बनाए थे। इसके अलावा पल्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए बलराम ने पांच विकेट, हर्ष ने दो विकेट, रितिक-मयंक ने एक विकेट हासिल किए।

श्री राम नवमी शोभा यात्रा का भव्य शंखनाद संतों के मार्गदर्शन और उपस्थित में महा आरती का किया आयोजन

सीहोर (निप्र)। आगामी 27 मार्च शुक्रवार को निकलने वाली श्री राम नवमी शोभा यात्रा को लेकर जोर-शोर से तैयारियाँ शुरू हो गई हैं इसी दौरान शोभा यात्रा के पूर्व मंगलवार 17 मार्च को गंज स्थित श्री राम जानकी राठौर मंदिर में संतों के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में महा आरती का भव्य आयोजन किया गया जिसमे सैकड़ों की संख्या में भक्त एवं श्री राम भक्त हनुमान मित्र मंडल के सदस्य उपस्थित रहे।इस संबंध में श्री राम नवमी शोभा यात्रा के अध्यक्ष भविष्य राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष भी श्री राम नवमी शोभा यात्रा का भव्य आयोजन 27 मार्च को किया जा रहा है । जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है मेरा

आईईएस पब्लिक स्कूल में यूथ पार्लियामेंट द्वारा विभिन मुद्दों पर चर्चा

सीहोर (निप्र)। आईईएस पब्लिक स्कूल में यूथ पार्लियामेंट में छात्रों ने देश के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में लोकतांत्रिक मूल्यों और नेतृत्व कौशल को विकसित करना था। कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ, भोपाल के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने संसदीय कार्यवाही का अनुकरण किया और शिक्षा सुधार, डिजिटल परिवर्तन जैसे विषयों पर चर्चा की।युवा संसद कार्यक्रम आईईएस के छात्रों द्वारा बेसब्री से इंतज़ार किया जाने वाला एक कार्यक्रम है। हमारे भविष्य के नेता एक सत्ताधारी दल और विपक्षी दल के रूप में एक साथ आए, ताकि समसामयिक मुद्दों और सुधारों)पर पूरे दिल से, रचनात्मक बहस और चर्चा कर सकें, साथ ही पुरानी हो चुकी नीतियों पर सवाल उठा सकें और एक प्रगतिशील समाज एवं राष्ट्र की परिकल्पना कर सकें। विशिष्ट अतिथि रोहिताश्व कुमार शर्मा, प्राचार्य, पीजी कॉलेज सीहोर एवं पूजा खानूजा, न्यायाधीश), उपभोक्ता न्यायालय सीहोर ने उन सुविज्ञ छात्रों की सराहना की, जिन्होंने शिक्षा, असमानता और आपदा प्रबंधन जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने नवाचार के माध्यम से ज़िम्मेदार उपाय समाधान प्रस्तावित किए जिसने सभी को राष्ट्र के लिए सोचने, बोलने और कार्य करने हेतु प्रेरित किया। अंत में आईईएस पब्लिक स्कूल की ग्रुप डायरेक्टर श्रीमती मनीषा कवठेकर ने सभी आतिथिओ का आभार व्यक्त किया एवं ऐसी पहलों के महत्व को रेखांकित किया जो भविष्य के नेताओं को आकार देने में मदद करती हैं।

सीहोर सांस्कृतिक मंच ने 501 दीप प्रज्वलित कर मनाया हिन्दू नववर्ष

दीपों की रोशनी से जगमग हुआ जगदीश मंदिर प्रांगण

सीहोर (निप्र)। आगामी बुधवार को हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2083 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर सीहोर नगर की धार्मिक सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की अग्रणी सस्था सीहोर सांस्कृतिक मंच ने सब्जी मंडी स्थित जगदीश मंदिर पर नव वर्ष का स्वागत पूर्व संध्या पर दीप प्रज्वलित कर धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर सांस्कृतिक मंच के सदस्यों ने मन्दिर परिसर 501 दीप प्रज्वलित कर मंदिर पर ध्वजा पताका बांधा और इसे पश्चात हिंदू नव वर्ष मंगलमय हो 2083 विक्रम संवत शुभ हो तथा स्वास्तिक शुभचिन्ह जमीन पर अंकित कर सीहोर सांस्कृतिक मंच सदस्यों के साथ शहर के जनमानस ने दीपों को पंक्तिबद्ध किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेविका अरूणा सुदेश राय एवं श्रीमति नमिता अखिलेश राय, विशेष अतिथि के रूप में श्रीमति अमीता जसपाल अरोरा एवं श्रीमति सोनाली-प्रिंस राठौर उपस्थित रही। सर्वप्रथम सांस्कृतिक मंच की श्रीमती प्रेमलता राठौर, श्रीमती सीमा सक्सेना, श्रीमती रूपाली सोनी, गुन्नु राठौर ने अंग वस्त्र उढ़ाकर स्वागत किया।

उपस्थित महिलाओं एवं सांस्कृतिक मंच के सदस्यों ने दीपो में तेल भरकर बाती रखकर पंक्तिबद्ध किया गया। दीप प्रज्वलन के निमित्त सीहोर सांस्कृतिक मंच के के अध्यक्ष आशीष गुप्ता नरेन्द्र गोस्वामी, प्रदीप नागिया, भगत सिंह तोमर, पुरुषोत्तम मीणा, निलेश जयपुरिया, सतीष त्यागी के नेतृत्व में अन्य कार्यकर्ताओं ने मोमबत्ती वितरित कर दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम संपन्न कराया।

इस मौके पर श्रीमती अरुणा राय ने कहा कि हिंदू नववर्ष का स्वागत उत्साह और उल्लास के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने नववर्ष के महत्व के बारे में जागरूक करने का आह्वान किया। श्रीमती अमिता अरोरा ने कहा कि हिंदू नववर्ष का आरंभ चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और हिंदू धर्म के सभी व्रत, त्योहार, पूजा-पाठ तथा मांगलिक कार्य पंचांग और संवत के अनुसार ही किए जाते हैं, इसलिए सभी को इसी दिन नववर्ष मनाना चाहिए। श्रीमती नमिता राय ने कहा कि हिंदू नववर्ष प्राकृतिक नववर्ष है। इस समय ऋतु परिवर्तन होता है और प्रकृति में नया जीवन दिखाई देता है, जबकि अंग्रेजी नववर्ष में ऐसा परिवर्तन नहीं दिखता। यह आयोजन केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरूकता को सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम भी है। श्रीमती सोनम राठौर ने सांस्कृतिक मंच के प्रयास प्रशंसा की ओर कहां कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, सकारात्मक ऊर्जा और हमारी समृद्ध परंपराओं के संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, जो एक सशक्त, संगठित एवं जागरूक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर सभी एक दूसरे को हिन्दु नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाऐं दी। अंत में सभी का आभार सीहोर सांस्कृतिक मंच अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्राइवेट प्रैक्टिशनर्स एवं मेडिकल ऑफिसर्स का प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर, (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत प्राइवेट प्रैक्टिशनर्स एवं शासकीय मेडिकल ऑफिसर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि तापमान में उतार-चढ़ाव के साथ में मच्छरों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जिससे वाहक जनित रोग जैसे डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया के फैलने की संभावनाएं बढ़ने लगती है। इसके सही समय पर नियंत्रण के लिए आवश्यक तैयारी करना बहुत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत जिले की 217 बालिकाओं को लगाई गई एचपीवी की वैक्सीन

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं का टीकाकरण किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि सीहोर जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में भी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के तहत बालिकाओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। इसी क्रम में 18 मार्च को जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जिले की 217 बालिकाओं को एचपीवी की वैक्सीन लगाई गई। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे जानलेवा कैंसर है।

गेंहू की फसल पर दोराहा तहसीलदार ने रात में भूमि का कब्जा देने के लिए चलवाया हार्वेटर

पीड़ित किसान ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर दिया ज्ञापन फसल वापस दिलाने की मांग

सीहोर (निप्र)। बुधवार को केलक्ट्रेट पहुंचकर ग्राम खांईखेड़ा के किसान ने कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित किसान घनश्याम दांगी ने डिप्टी कलेक्टर जमील खान को शिकायती पत्र देकर तहसीलदार दोराहा के द्वारा अवैधानिक तरिके से विरोधी किसान के पक्ष में कटवाई गई फसल को वापस दिलाने और मामला कोर्ट में होने के बावजूद कब्जा दिलाने की कार्रवाही करने वाले तहसीलदार पटवारी पर कार्रवाही करने की मांग की है।मंगलवार रात 10 बजे किसान परिवार रोता रहा दोराहा तहसीलदार ने नियम कानूनी को तांक पर रखकर किसान के विरोध के बावजूद खेत में खड़ी गेंहू की फसल पर हार्वेटर चलवा दिया।

कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर (निप्र)। कन्या शिक्षा परिसर, सीहोर सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 7वीं एवं 8वीं (अंग्रेजी माध्यम) में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार सीमित सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा, जिसमें कक्षा 7वीं में 2 सीट एवं कक्षा 8वीं में 1 सीट उपलब्ध है । प्रवेश प्रक्रिया मेरिट एवं आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।विद्यालय में चयनित छात्राओं को नि:शुल्क आवास, भोजन, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी । आवेदन के साथ अंकसूची, मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा।

समझौते के बाद भी मांगें अधूरी, पैक्स कर्मचारियों में आक्रोश, गेहूं खरीदी हो सकती है

सीहोर (निप्र)। प्रदेश की प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं (पैक्स) के कर्मचारियों में सरकार की वादाखिलाफी को लेकर भारी रोष व्याप्त है। सहकारिता विभाग और कर्मचारी महासंघ के बीच हुए समझौते पर अमल न होने से नाराज कर्मचारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि समय-सीमा में निराकरण नहीं हुआ, तो प्रदेशभर में कलम बंद' हड़ताल की जाएगी, जिसका सीधा असर आगामी गेहूं खरीदी पर पड़ेगा।गौरतलब है कि 22 सितंबर 2025 को विभागीय अधिकारियों और महासंघ के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक में आंदोलन समाप्त करने के लिए कई सहमति बनी थीं। इनमें मुख्य रूप से कर्मचारियों को अक्टूबर 2023 से कलेक्टर दर के अतिरिक्त बढ़ा हुआ वेतन देने और हर माह नियमित भुगतान का वादा किया गया था। लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक कार्यालय से इस पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। लंबित मांगें और कर्मचारियों की पीड़ा महासंघ के पदाधिकारियों के अनुसार, प्रशासन की सुस्ती के कारण कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रदेश के 34 जिलों के विक्रेताओं का पिछले 18 महीनों का 54,000 का भुगतान अब तक नहीं मिला है सहायक प्रबंधकों को समिति प्रबंधक के समकक्ष 60% कोटे के तहत पदोन्नत करने का वादा कागजों तक सीमित है। कनिष्ठ विक्रेताओं की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने की फाइल भी ठंडे बस्ते में है।

कलेक्टर ने किया किसानों द्वारा की जा रही जैविक खेती का निरीक्षण

जैविक खेती को और अधिक विस्तार देने के लिए किसानों को किया प्रोत्साहित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने इछावर तहसील के ग्राम ग्राम नरसिंहखेड़ा एवं सेवनिया में किसानों द्वारा की जा रही है जैविक खेती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जैविक खेती कर रहे किसानों से संवाद किया और किसानों द्वारा उत्पादित किए जा रहे जैविक उत्पादों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें जैविक खेती को और अधिक विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर बालागुरू के. ने निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग की रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (RAD) योजना अंतर्गत स्थापित साइलोपिट एवं वर्मी कम्पोस्ट यूनिट का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन इकाइयों के प्रभावी संचालन करने और अन्य किसानों को भी इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों को नरवाई नही जलाने के लिए प्रेरित किया और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को हानि होती है एवं मृदा की उर्वरता प्रभावित होती है, इसलिए इसके वैज्ञानिक प्रबंधन को अपनाना आवश्यक है। कलेक्टर बालागुरू के. ने पटवारियों को निर्देश दिए कि वे हार्वेस्टर का उपयोग करने वाले किसानों की सूची तैयार रखें और उन किसानों की भी पहचान करें जिनके खेतों में आग लगने की संभावना अधिक है। ऐसे किसानों को विशेष रूप से जागरूक किया जाए ताकि वे नरवाई न जलाएं। उन्होंने नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कृषि विस्तार अधिकारियों एवं पटवारियों को समन्वय स्थापित कर सतत निगरानी बनाए रखने एवं किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इस दौरान कृषि विभाग के उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय ने भी किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए विभागीय योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, उपसंचालक अशोक उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

विक्रम सम्वत् 2083
भारतीय नववर्ष
की हार्दिक
मंगलकामनाएं
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
राज्यस्तरीय
जल गंगा संवर्धन
अभियान
जनभागीदारी की अनूठी पहल का
तृतीय चरण : 19 मार्च से 30 जून 2026
शुभारंभ
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
इस्कॉन मंदिर, इंदौर
पिछले दो चरणों में 3.50 लाख से अधिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के साथ
नए निर्माण कार्य, भू-जल स्तर में वृद्धि और खेतों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं
आइये, सब जुड़ें
जब सब जुड़ेंगे, तब ही जल बचेगा, धरती बचेगी
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित होगा
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
डॉ. मोहन यादव का
अभ्युदय
मध्यप्रदेश
D-11222/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026